website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 | RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 | वर्ष : 7 | अंक : 13 | फरवरी 2023 | मूल्य : 10

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का खंड राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने १२ फरवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का २४६ किलोमीटर लंबा दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने ५९४० करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से विकसित होने वाली २४७ किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। 'नए भारत' में प्रगति, विकास और कनेक्टिविटी के इंजन के रूप में उत्कृष्ट सड़क अवसंरचना के निर्माण पर प्रधानमंत्री द्वारा दिया जा रहा विशेष जोर देश भर में अनगिनत मौजूदा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे के निर्माण के रूप में साकार हो रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के प्रथम चरण को राष्ट्र को समर्पित करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने यह बात रेखांकित की कि यह दुनिया के सबसे उन्नत एक्सप्रेसवे में से एक है जो विकासशील भारत की भव्य तस्वीर पेश करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब ऐसी आधुनिक सड़कें, रेलवे स्टेशन, रेलवे ट्रैक, मेट्रो और हवाई अड्डे बनते हैं, तो देश के विकास को गति मिलती है। उन्होंने अवसंरचना पर निवेश के गुणात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। राजस्थान में राजमार्गों के निर्माण के लिए ५०,००० करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले ९ वर्षों से, केंद्र सरकार भी अवसंरचना में लगातार भारी निवेश कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल के बजट में अवसंरचना के लिए १० लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गए है, जो २०१४ के आवंटन से ५ गुना ज्यादा है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि इन निवेशों से राजस्थान के गरीब और मध्यम वर्ग को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने अवसंरचना में निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलने वाले लाभों को रेखांकित किया और कहा कि यह रोजगार और परिवहन-संपर्क का निर्माण करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, ऑप्टिकल फाइबर, डिजिटल कनेक्टिविटी, पक्के घरों और कॉलेजों के निर्माण में निवेश किया जाता है, तो समाज का हर वर्ग सशक्त होता है।

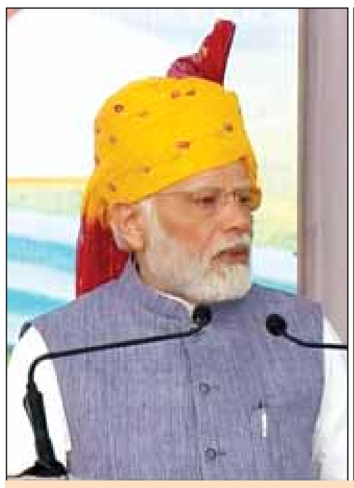

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पीएम गतिशक्ति मास्टरप्लान द्वारा संचालित होने के तथ्य पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि ऑप्टिकल फाइबर, बिजली लाइनों और गैस पाइपलाइनों को बिछाने की व्यवस्था की गई है और बची हुई भूमि का उपयोग सौर ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ उसके भंडारण के लिए किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा की, ये प्रयास भविष्य में देश का काफी धन बचाएंगे। अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने राजस्थान और देश के लिए 'सबका साथ, सबका विकास'के मंत्र पर प्रकाश डाला और कहा, सरकार का संकल्प एक समर्थ, सक्षम और समृद्ध भारत बनाना है।

अवसंरचना के एक और फायदे के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-दौसा-लालसोट राजमार्ग के निर्माण से दिल्ली और जयपुर के बीच लगने वाला यात्रा का समय कम हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे के किनारे ग्रामीण हाट स्थापित किए जा रहे हैं, जो स्थानीय किसानों और कारीगरों की मदद करेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से राजस्थान के साथ-साथ दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, सरिस्का, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, रणथंभौर और जयपुर जैसे पर्यटन स्थलों को राजमार्ग से बहुत लाभ मिलेगा।

तीन अन्य परियोजनाओं के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनमें से एक जयपुर को एक्सप्रेसवे के साथ सीधा संपर्क देगी। दूसरी परियोजना एक्सप्रेसवे को अलवर के पास अंबाला-कोटपूतली कॉरिडोर से जोड़ेगी। इससे हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और जम्मू कश्मीर से आने वाले वाहनों को पंजाब, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र तक पहुँचने में मदद मिलेगी। लालसोट करोली सड़क भी इस क्षेत्र को एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और वेस्टर्न डेडिकेटेड फट कॉरिडोर राजस्थान एवं देश की प्रगति के दो मजबूत स्तंभ बनने जा रहे हैं और आने वाले समय में राजस्थान सहित इस पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल देंगे। उन्होंने कहा कि ये दोनों परियोजनाएं मुंबई-दिल्ली आर्थिक गलियारे को मजबूत करेंगी और सड़क एवं फट कॉरिडोर राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी भारत के कई इलाकों को बंदरगाहों से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लॉजिस्टिक्स, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट और अन्य उद्योगों के लिए भी नए अवसर पैदा होंगे।

इस अवसर पर,केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी, राजस्थान सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री भजनलाल जाटव और कई सांसदगण उपस्थित थे।

पृष्ठभूमि

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के २४६ किलोमीटर लंबे दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड को १२,१५० करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इस खंड के प्रचालनगत होने से दिल्ली से जयपुर की यात्रा का समय ५ घंटे से घटकर लगभग ३.५ घंटे रह जाएगा और इससे पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे १,३८६ किमी की लंबाई के साथ भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। यह दिल्ली और मुंबई के बीच यात्रा की दूरी को १,४२४ किमी से १२ प्रतिशत कम करके १,२४२ किमी कर देगा और यात्रा का समय २४ घंटे से घटकर १२ घंटे तक यानी ५० प्रतिशत कम हो जाएगा। यह छह राज्यों - दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा और कोटा, इंदौर, जयपुर, भोपाल, वडोदरा और सूरत जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे ९३ पीएम गति शक्ति आर्थिक नोड्स, १३ बंदरगाहों, ८ प्रमुख हवाई अड्डों और ८ मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) के साथ-साथ जेवर हवाई अड्डे, नवी मुंबई हवाई अड्डे और जेएनपीटी बंदरगाह जैसे नए आगामी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को भी सेवा प्रदान करेगा। इस एक्सप्रेसवे का सभी समीपस्थ क्षेत्रों के विकास संबंधी मार्ग पर उत्प्रेरक प्रभाव पड़ेगा और इस प्रकार यह देश के आर्थिक रुपांतरण में प्रमुख योगदान देगा।

आलीया भट्ट बनी बेसट एक्ट्रेस, 'द कशमीर फाइल' बनी बेसट फिल्म

मुंबई : सोमवार को मुंबई में दादा साहेब फिल्म के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह २०२३ का आयोजन हुआ. इस इवेंट में बॉलीवुड की कई दिग्गज हस्तियां शामिल हुई. यहां निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' को इंटरनेशनल फिल्म ऑफ द ईयर का अवॉर्ड दिया गया, जबकि निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड दिया गया. वहीं इस साल की बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आलीया भट्ट ने अपने नाम किया है.

एक्ट्रेस आलीया भट्ट को 'गंगूबाई काठीयावाडी' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला. इस दौरान इवेंट में पहुंची आलीया गुजरे जामाने की एक्ट्रेस रेखा के साथ पोज देती नजर आई. आलीया और रेखा का ये साडी वाला लुक कमाल का लग रहा था. वहीं आलीया के पति और बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को उनकी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के लिए बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया. पिछले साल की सुपरहिट फिल्म 'कांतारा' के लिए एक्टर ऋषभ शेट्टी को बेसट प्रॉमीसिंग एक्टर का पुरस्कार दिया गया.

इन पुरस्कारों में वरुण धवन को उनकी फिल्म 'भेडीया' के लिए क्रिटीक्स चॉइस बेस्ट एक्टर अवॉर्ड दिया गया है. वहीं पिछले साल 'द कश्मीर फाइल्स', 'ऊंचाई' और 'कांतारा' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अनुपम खेर को मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर ऑफ दी ईयर के अवॉर्ड से नवाजा गया. वहीं क्रिटीक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड एक्ट्रेस विद्या बालन को उनकी फिल्म 'जलसा' के लिए दिया गया. बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड निर्देशक आर बाल्की को उनकी फिल्म 'चुप' के लिए दिया गया.

फिल्मों के साथ ही टीवी की कैटेगीरी में भी ये पुरस्कार दिए गए. टेलीवीजन सीरीज ऑफ द ईयर का पुरस्कार 'अनुपमा' को दिया गया. वहीं बेस्ट एक्टर इन टेलीवीजन सीरीज जेन इमाम को दिया गया. ये उन्हें सीरियल 'फना' के लिए दिया गया. वहीं बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश को उनके सीरियल 'नागीन' के लिए दिया गया. इस साल आउट स्टैंडींग कंट्रीब्यूशन इन फिल्म इंडस्ट्री का पुरस्कार रेखा को दिया गया.

१२ चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लेकर ग्वालियर पहुंचा विमान

कूनो तक हेलीकॉप्टर से जाएंगे

नई दिल्ली : देश को १२ चीतों की सौगात मिलने जा रही है. चीतों को लेकर एयरफोर्स का विशेष विमान सी-१७ ग्लोबमास्टर ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंच चुका है. अब यहां से इन चीतों को हेलीकॉप्टर से श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में पहुंचाया जाएगा. यहां पर सीएम शिवराज सिंह और केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में चीतों को बाडे.में रिलीज किया जाएगा.

दक्षिण अफ्रीका से १२ चीतों को भारत लाया जा चुका है. एयरफोर्स के विशेष विमान सी-१७ ग्लोबमास्टर से इन चीतों को ग्वालियर (मध्य प्रदेश) एयरपोर्ट लाया गया है. अब यहां से सभी चीतों को चख १७ हेलीकॉप्टर से श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क भेजा जाएगा और लाए जा रहे सभी चीतों को फिलहाल क्वारंटीन बाडे. में रखा जाएगा.

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव इन चीतों को बाडे. में रिलीज करेंगे. वहीं, वेटनरी डॉक्टर और चीता एक्सपर्ट डॉक्टर लॉरेल विशेष विमान में चीतों के साथ आई हैं.

गौरतलब है कि चीतों का दूसरा जत्था ग्वालियर वायु सेना के अड्डे पर पहुंचा है. इसके बाद उन्हें भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा लगभग १६५ किमी दूर श्योपुर जिले के केएनपी पहुंचाया जाएगा. फिर क्वारंटीन बाडों में रखा जाएगा.

कूनो नेशनल पार्क के निदेशक उत्तम शर्मा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी चीतों के लिए १० क्वारंटीन बाडे. बनाए गए हैं. हमने तैयारियां पूरी कर ली हैं. अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत १ महीने तक इन चीतों को कूनो नेशनल पार्क में क्वारंटाइन में रहना होगा. भारत और दक्षिण अफ्रीका में हुए चेण के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका से हर साल १० से १२ चीते अगले १० सालों तक देश में लाए जाएंगे ताकि इनकी पर्याप्त संख्या यहां रह सके.

साढे.तीन किलो सोने के बिस्किट के साथ दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर में साढे.तीन किलो सोने के बिस्किट के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. इस सोने के बिस्किट को म्यांमार से तस्करी कर भारत लाया गया था जिसे यूपी ले जाने की तैयारी थी. डीआरआई की टीम ने मुजफ्फरपुर में दोनों तस्करों को सोने के साथ पकड.लिया.

बिहार के मुजफ्फरपुर में विदेश से तस्करी कर लाए गए साढे.तीन किलो सोने के बिस्किट को डीआरआई की टीम ने जब्त किया है. इस मामले में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है. म्यांमार से तस्करी कर लाई गई साढे.तीन किलो सोने के बिस्किट को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय यूनिट ने जब्त किया है. जब्त किए गए सोने की कीमत दो करोड.रुपये से ज्यादा बताई जा रही है. इस मामले में गिरफ्तार दोनों तस्करों से मुजफ्फरपुर के माडीपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में गहनता से पूछताछ की गई. पूछताछ पूरी होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

डीआरआई की मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय यूनिट को सोने की बिस्किट की तस्करी होने की सूचना मिली थी. डीआरआई को पता चला था कि सिलीगुडी से पटना जाने वाली एक बस में सोना ले जाया जा रहा है.

सूचना मिलते ही एक टीम बनाकर पश्चिम बंगाल के जयगांव भेजा गया और बस में यात्रियों की तलाशी ली गयी. इस दौरान दो यात्रियों के बैग से करीब साढे.तीन किलो गोल्ड बिस्किट बरामद किया गया. इसे उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा था.

शुरुआती पूछताछ में तस्करों ने बताया कि उन्हें पटना तक का सफर बस से करना था. फिर वहां से दूसरे नेटवर्क के हवाले गोल्ड बिस्किट कर दिया जाता. सोने के बिस्कुट को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक धंधेबाज को सौंपना था. सोने का यह बिस्किट म्यांमार से तस्करी कर भारत लाया गया था. अब जांच एजेंसी गिरफ्तार तस्करों से सोना तस्करी के नेटवर्क को भी खंगाल रही है.

'मुंबई हमले के आतंकी अब भी यहां घूम रहे हैं'

पाकिस्तानियों से बोले जावेद अख्तर

लाहौर : लाहौर में हुए फज फेस्टिवल २०२३ में जावेद अख्तर शामिल हुए. यहां गीतकार ने पाकिस्तान पर तंस कसा और आतंकियों को पनाह देने की निंदा की. उन्होंने कहा- हम तो बंबई के लोग हैं, हमने देखा हमारे शहर पर कैसे हमला हुआ था. वो लोग नॉर्वे से तो नहीं आए थे, ना ही इजिप्ट से आए थे. वो लोग आपके मुल्क में अभी भी घूम रहे हैं.

मशहूर गीतकार जावेद अख्तर पाकिस्तान के लाहौर में आयोजित हुए फेस्टिवल का हिस्सा बने. सोशल मीडिया पर जावेद अख्तर का एक वीडियो वायरल है, जिसमें उन्होंने २६/११ मुंबई हमले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान पर निशाना साधा. आतंकियों को अपने देश में पनाह देने की निंदा की. जावेद ने कहा- आतंकवादी अभी तक आपके देश में घूम रहे हैं.

अख्तर ने कहा- हमने तो नुसरत और मेहदी हसन के बड़े-बड़े फक्शन किए. लेकिन आपके मुल्क में तो लता मंगेशकर का कोई फक्शन नहीं हुआ. तो हकीकत ये है चलिए अब हम एक दूसरे पर इल्जाम ना दें, अहम बात ये है आजकल जो फिजा इतनी गरम है, वो कम होनी चाहिए. हम तो बंबई के लोग हैं, हमने देखा हमारे शहर पर कैसे हमला हुआ था. वो लोग नॉर्वे से तो नहीं आए थे, वो लोग आपके मुल्क में अभी भी घूम रहे हैं. तो ये शिकायत अगर हर हिंदुस्तानी के दिल में है तो, आपको बुरा नहीं मानना चाहिए.

अदानी समूह के विरुद्ध बवंडर को कैसे देखें?

अवधेश कुमार

अदानी समूह को लेकर राजनीति में मचा हंगामा और सोशल मीडिया पर उठा तूफान आश्चर्यजनक नहीं है। देश में राजनीति को लेकर जिस स्तर का तीखा शत्रुतापूर्ण विभाजन है उसमें हमने लगातार ऐसे मामलों पर बवंडर और हंगामे देखे हैं जिनकी आवश्यकता नहीं थी। कहने का तात्पर्य नहीं कि विपक्षी दलों या मोदी सरकार व भाजपा विरोधियों को अमेरिकी संस्था हिंडेनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई जानने के लिए प्रश्न नहीं उठाना चाहिए। पर कोई विदेशी संस्था रिपोर्ट दे और हम ऐसी स्थिति पैदा कर दें जिससे लगे कि भारत की अर्थव्यवस्था हिल गई है यह परिपक्व व्यवहार नहीं माना जा सकता। लंबे समय से कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों और नेताओं ने ऐसी तस्वीर बनाने की कोशिश की है मानो अदानी समूह और उनके अध्यक्ष गौतम अदानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार हर सीमाओं को लांघकर सरकारी संस्थाओं के संरक्षण में आगे बढ़ा रही है। राहुल गांधी गौतम अदानी का नाम ले - लेकर पिछले कई सालों से हमले कर रहे हैं। विपक्ष कह रहा है कि भारतीय जीवन बीमा निगम से लेकर बैंकों में आम आदमी का पैसा है और अदानी के कारोबार डूबने के साथ उन सबकी जिंदगी की कमाई लूट जाएगी।

हम किसी कॉर्पोरेट घराना या कंपनी समूह को पाक साफ होने का प्रमाण पत्र नहीं दे सकते, पर अदानी कंपनियों के शेयर कीमतों में आई जबरदस्त गिरावट के साथ ही अलग-अलग संस्थाओं ने अपना वक्तव्य दे दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट कहा है कि एक नियामक के तौर पर वह वित्तीय स्थिरता के लिए पैनी नजर रखता है। आरबीआई के अनुसार बैंकिंग व्यवस्था मजबूत और स्थिर है। आरबीआई को यह स्पष्टीकरण इस नाते देना पड़ा क्योंकि विपक्ष के माहौल से ऐसी तस्वीर बन रही है कि भारतीय मुद्रा बाजार संकट में आ गया है। जब अपने देश में हम शुद्ध व्यावसायिक व आर्थिक मुद्दों तथा किसी विदेशी संस्था या देसी संस्था द्वारा लगाए गए आरोपों में तथ्यों की जांच किए बगैर हंगामा करते हैं तो उसका संदेश दुनिया भर में नकारात्मक जाता है एवं निवेशकों के अंदर आशंका पैदा होती है। इस कारण रिजर्व बैंक द्वारा स्पष्टीकरण अपरिहार्य हो गया था।

अदानी समूह को कर्ज देने वाले बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक दोनों ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने नियमों के मुताबिक कर्ज दिया और अतिरिक्त कर्ज का कोई प्रस्ताव नहीं है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने भी स्पष्ट किया कि उन्होंने नियमों के अनुसार निवेश अदानी समूह के शेयर में लगाया है और अभी भी मुनाफे की स्थिति में है। यह भी साफ है कि अदानी समूह की कुल परिसंपत्ति उसको मिले कर्ज से ज्यादा मूल्य के हैं। बावजूद अगर विपक्ष और विरोधी मानने के लिए तैयार नहीं तो इसे क्या कहा जाए? रिपोर्ट के बाद अनेक प्रकार का अफवाह भी अलग-अलग माध्यमों के इकोसिस्टम से दुनिया में प्रसारित हो रहा है। साफ लग रहा है कि योजनाबद्ध तरीके से इकोसिस्टम काम कर रहा है। एक दिन में लगभग ढाई अरब शेयर किसी समूह का बेच दिया जाना सामान्य नहीं हो सकता।

हिंडनबर्ग समाजसेवी संस्था नहीं है कि भारत और आम निवेशकों के हित के लिए रिपोर्ट जारी करेगा। वह स्वयं मानता है कि शार्ट सेलर है और अदानी समूह के शेयरों के गिरने से उसे लाभ होगा। हिंडनबर्ग के आरोपों में से चार को मुख्य मानकर उल्लेखित किया जा सकता है। एक, अदानी समूह पर कर्ज बहुत ज्यादा है और उसका मूल्यांकन उसकी वित्तीय हैसियत से ज्यादा किया गया है। दो, अदानी समूह लिक्विडिटी यानी तरलता जोखिम में है क्योंकि उसके पास लघुकालीन देनदारियां बहुत ज्यादा है। तीन, अदानी समूह ने टैक्स हैवन देशों में शेल कंपनियां बनाकर अपनी (शेष पृष्ठ २ पर)

कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी का प्लान '५ बी' तैयार

नई दिल्ली : कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने प्लान ५ बी तैयार कर लिया है. बीजेपी इस प्लान ५ बी में कर्नाटक के पांच जिलों पर फोकस रहेगा. इनमें बेंगलुरु, बेलगाम, बागलकोट, बीदर व बेल्लारी जिले शामिल हैं. इन ५ जिलों में ७२ विधानसभा सीटें हैं, जहां कि पिछले चुनावों में इगझ का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. लेकिन इस बार इन पांच जिलों में पिछली बार की तुलना में पार्टी की कोशिश है कि २० सीटें बढाई जाएं.

बीजेपी कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत का लक्ष्य लेकर चल रही है. इस रणनीति में इस बार पांच 'इ' की अहम भूमिका होगी. प्लान ५ बी में कर्नाटक के जो पांच जिले हैं, इनमें कुल ७२ सीटें हैं. साल २०१८ के विधानसभा चुनाव में इन ७२ सीटों में से बीजेपी ३० सीटें ही जीत पाई थी. यहां पर कांग्रेस को ३७ व जेडीएस को ५ सीटें मिली थीं. तो इस बार बीजेपी के प्लान ५ बी में कर्नाटक के पांच जिलों पर फोकस रहेगा. ये ५ जिले हैं, बेंगलुरु, बेलगाम, बागलकोट, बीदर व बेल्लारी. इगझ इन पांच सीटों के लिए एक खास रणनीति बना रही है.

बता दें कि साल २०१८ के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने १०४ सीटें जीती जरूर थीं, लेकिन २२४ विधानसभा सीटों वाले कर्नाटक में ११३ के बहुमत आंकडे. से ९ सीटें कम रह गई थीं. जबकि कांग्रेस को ८० व जेडीएस को ३७ सीटें मिली थीं.

इसलिए जरूरी है प्लान ५ बी

बीजेपी को २०१८ के विधानसभा चुनाव में सबसे बडा झटका बेंगलुरु में लगा था. बेंगलुरु शहर की २८ सीटों में भाजपा केवल ११ सीटें ही जीत पाई थी. बेंगलुरु ग्रामीण की चार सीटों में इगझ को एक भी सीट नहीं मिली थी, यानि ३२ सीटों में यहां केवल ११ सीटें ही मिली थीं. तब पार्टी को बेलगाम की १८ सीटों में १०, बागलकोट की सात सीटों में पांच, बीदर की छह सीटों में एक, बेल्लारी की नौ सीटों में से तीन सीटें मिली थीं. बीजेपी इस बार विधानसभा चुनाव में इन इन पांच जिलों की ७२ सीटों में से ५० से अधिक सीटों को जीतने के लिए प्लान ५ बी पर खास रणनीति के तहत काम कर रही है.

पुराने मैसूर में कमजोर है बीजेपी की स्थिति

बीजेपी के लिए प्लान ५ बी इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पुराने मैसूर में पार्टी की स्थिति कमजोर हो रही है. २०१८ के विधानसभा चुनाव में पुराना मैसूर क्षेत्र की ६४ सीटों में से बीजेपी को केवल ११ सीटें ही मिली थी, कांग्रेस को १७ सीटें और जेडीएस को २७ सीटें मिलीं थीं.

पिछलें कुछ सालों में पुराने मैसूर में बीजेपी ने कांग्रेस और जेडीएस से आए नेताओं से उसने अपनी ताकत बढाई जरूर है, लेकिन पुराने मैसूर में वोक्कालिगा जाति का प्रभाव ज्यादा होने की वजह से आज भी जमीन पर जेडीएस की मजबूत पकड. है. यही कारण है कि पुराने मैसूर से ही जेडीएस को अधिकांश सीटों पर जीत मिलती है. बीजेपी ने भी इस बार इस पुराने मैसूर क्षेत्र के लिए अपनी चुनावी रणनीति जातिगत समीकरण के हिसाब बदली है और दूसरे दलों से आए वोक्कालिगा समुदाय के नेताओं को पार्टी ज्यादा महत्व दे रही है.

अदानी समूह के विरुद्ध बवंडर को कैसे देखें?

(पृष्ठ १ से)

कंपनियों में निवेश कराया और भारी कमाई की। चार, अदानी समूह का ऑडिट लगातार संदेह के घेरे में है। इस संबंध में तर्क देते हुए कहा है कि ८ वर्ष में कंपनी ने ५ चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर बदले। यह उसके खाता बही से संबंधित गड़बड़ी का संकेत देता है। अदानी समूह की कंपनियों के ऑडिटरों पर भी उसने संदेह व्यक्त किया है। हमारे यहां रामचरितमानस, भगवद्गीता, वेद पुराण सब पर प्रश्न उठ सकता है लेकिन ऐसा लगता है जैसे हिंडेनबर्ग रिपोर्ट सबसे ऊपर है जो प्रश्नों और संदेहों से परे है। अदानी समूह ने ४१३ पृष्ठों में हिंडनबर्ग के आरोपों का उत्तर दिया जिसे उसने खारिज किया है। उसने स्वीकार कर लिया तो स्वयं का रिपोर्ट ही गलत साबित हो जाएगा।

हम अपने देश के कारोबारी, संस्थाओं आदि पर विश्वास न कर विदेशी संस्था को परम विश्वासी मान रहे हैं। विपक्षी नेताओं को विश्व में कॉर्पोरेट संघर्ष, शेयर बाजार, मुद्रा बाजार, ऑडिट आदि के बारे में मान्य जानकारी लेने की कोशिश करनी चाहिए थी। जब भी किसी कंपनी पर ऐसी स्थिति पैदा होती है ऑडिटर के जिम्में आता है कि वह बही खाते पर स्पष्टीकरण दे। हिंडनबर्ग ने ऑडिटरों को ही संदेह के घेरे में ला दिया है।

हनीट्रैप गैंग की महिला समेत ४ सदस्य गिरफ्तार

वीडियो बनाकर करते थे ब्लैकमेल

नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश की इटावा पुलिस ने हनीट्रैप का शिकार बनाने वाली गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. इसमें अश्लील फोटो और वीडियो मिले हैं. गैंग के सभी सदस्यों पर पहले से ही चोरी, किडनैपिंग और ब्लैकमेलिंग के मामले दर्ज हैं. पुलिस के मुताबिक ऐसे गैंग और भी हैं, जिन्हें जल्द पकडा जाएगा.

उत्तर प्रदेश की इटावा पुलिस ने हनीट्रैप के जरिये लोगों को शिकार बनाने वाले गैंग का भंडाफोड. किया है. पुलिस ने महिला सहित गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. उसमें आपत्तिजनक वीडियो और फोटो भी मिले हैं.

पुलिस के मुताबिक, पकडे. गए आरोपी बहुत शातिर हैं. उनके खिलाफ पहले से ही औरैया और जालौन में कई मामले दर्ज हैं. वे चोरी, किडनैपिंग और ब्लैकमेलिंग का काम पहले भी करते रहे हैं.

नशीली चाय पिलाकर बनाए थे अश्लील वीडियो

दरअसल, थाना फ्रेंड्स कॉलोनी में कुछ दिन पहले उदयवीर सिंह नाम के युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी. उसमें बताया कि एक महिला ने फोन करके उनको रामनगर के एक मकान में बुला लिया. फिर उन्हें नशीली पदार्थ मिलाकर चाय पिला दी. इसके बाद जब वह बेहोश हो गए. कुछ घंटे बाद जब होश आया, तो उसके व्हाट्सएप पर कुछ अश्लील वीडियो और फोटो भेजी गई.

इसके बाद महिला ने फोन कर दुष्कर्म का आरोप लगाकर फर्जी केस में फंसाने की धमकी दी. साथ ही १५ लाख रुपए की मांग की. इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा ३२८, ३८९ और ५०६ के तहत मामला दर्जकर हनीट्रैप गैंग के लोगों की तलाश शुरूकर दी.

इसी दौरान पता चला कि आरोपी रुपये लेने आ रहे हैं. गैंग की महिला और उसके तीन साथियों को पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी के फोन से अश्लील फोटो और वीडियो बरामद

मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया, 'एक गैंग के चार लोगों को पकडा गया है. इसमें एक महिला और तीन पुरुष हैं. उन लोगों से पूछताछ की गई और उनके पास से मोबाइल बरामद किया गया. उसमें अश्लील फोटो और वीडियो भी मिले हैं. उनके खिलाफ पहले से ही चोरी, किडनैपिंग और ब्लैकमेलिंग के मामले दर्ज हैं.

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने आगे बताया, 'पकडी गई महिला औरैया जनपद की रहने वाली है. पूछताछ में पता चला है कि इन लोगों ने ७ लोगों को ठगा है. सभी लोग सरकारी विभागों में कर्मचारी और अधिकारियों के पद पर रहे हैं. जानकारी मिली है कि अभी और भी इस तरह के गैंग सक्रिय हैं. उनको भी जल्द ही पकड. लिया जाएगा.'

झारखंड सरकार से अभियोग चलाने के लिए पुलिस ने मांगी अनुमति

नूपुर शर्मा विवादित बयान

रांची : रांची के मेन रोड में १० जून को जुमे की नमाज के बाद उपद्रव, पत्थरबाजी व गोलीबारी मामले में सीआइडी ने शनिवार की देर रात ११ नामजद के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। जिनपर चार्जशीट दाखिल की गई है, उनमें मोहम्मद अमजद, इरफान जुवेर आलम उर्फ इरफान अंसारी, मोहम्मद माज, अरमान हुसैन, सरफराज आलम, शहबाज, अफसर आलम व रमजान अली व तीन अन्य शामिल हैं। इनके अलावा चार्जशीट में उन दोनों मृतकों मुद्दस्सिर उर्फ कैफी व मोहम्मद साहिल के नाम भी शामिल हैं, जिनकी उपद्रव के दौरान गोली लगने से मौत हुई थी। सभी आरोपितों पर एक साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से बवाल मचाने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने, शहर को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने का प्रयास करने व उन्हें उपद्रव से रोकने पहुंचे पुलिस अफसरों पर जानलेवा हमला करने के आरोपों की पुष्टि हुई है। सीआइडी ने अपनी चार्जशीट में आगे यह भी लिखा है कि अन्य आरोपितों के विरुद्ध अनुसंधान जारी है।

गोलीबारी में गई थी दो की जान

निलंबित भाजपा नेत्री नुपुर शर्मा के विवादित बयान के विरोध में रांची के मेन रोड में उपद्रव व गोलीबारी तथा पत्थरबाजी में विरोध मार्च निकालने वाले जुलूस में शामिल दो युवकों की जान चली गई थी। इस घटना में दोनों तरफ से दो दर्जन से अधिक पुलिस व आम लोग जख्मी हुए थे, जिनका रिम्स में इलाज कराया गया था। इस पूरे प्रकरण में रांची के डेलीमार्केट थाने में मुख्य प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी, जिसे सरकार के निर्देश पर जांच के लिए सीआइडी को सौंपा गया था। सीआइडी के डीएसपी महेंद्र सिंह मुंडा कांड के अनुसंधानकर्ता बनाए गए थे। इस प्रकरण से संबंधित अभी ४७ केस का अनुसंधान रांची पुलिस के पास है।

आरोपितों की तलाश जारी

रांची में उपद्रव की आग भड़काने में यूपी व बिहार कनेक्शन सामने आया था। पुलिस अनुसंधान में इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से आए तीन लोगों के अलावा बिहार के पटना से आए तीन लोगों ने भी भीड़ को उपद्रव के लिए उकसाया। खूंटी के उपद्रवियों की भी पुलिस को जानकारी मिली थी।

धाराएं क्या कहती हैं

धारा १५३ए भादवि: पूजा के स्थान आदि में किया गया अपराध इस धारा के अधीन आता है। कोई भी व्यक्ति किसी पूजा के स्थान में या किसी जमाव में जो धार्मिक पूजा या धार्मिक कर्म करने में लगा हुआ हो वहां अपराध करता हो। उस पर दोष साबित होने पर उसे पांच वर्ष तक की सजा व आर्थिक दंड लगाया जा सकता है।

धारा १५३ एए भादवि : जो कोई किसी जुलूस में जान-बूझकर शस्त्र अथवा हथियार ले जाता है, उसका प्रशिक्षण देता है या संचालन या आयोजन करता है और उसमें भाग लेता है। इस धारा में दोष साबित होने पर आरोपित को छह महीने तक का कारावास और दो हजार रुपये तक का जुर्माना लग सकता है।

धारा २९५ए भादवि : अगर कोई व्यक्ति भारतीय समाज के किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करता है या उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर दुर्भाग्यपूर्ण कार्य करता है। इससे संबंधित वक्तव्य देता है तो वह धारा २९५ए भादवि के तहत दोषी माना जाएगा। यह गैर जमानतीय धारा है। इसमें दोष साबित होने पर दोषी तीन वर्ष के लिए कारावास या जुर्माना या दोनों का भागीदार होगा।

अब तक यूपी-बिहार के साजिशकर्ता नहीं पकड़े जा सके हैं, वहीं खूंटी के उपद्रवियों की गिरफ्तारी के लिए भी कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। घटना के कुछ दिन पहले से इसकी तैयारी चल रही थी। उपद्रव के मार्ग में कई छतों पर सुनियोजित तरीके से ईंट-पत्थर जुटाकर रखे गए थे। बवाल, पत्थरबाजी व फायरिंग के वक्त उपद्रवी बोरे में भरकर पत्थर ले गए थे, जिसकी पुष्टि हो चुकी है। जिसके बाद रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने राज्य सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग से अनुमति मांगी है। यह अनुमति रांची के डेलीमार्केट थाने में दर्ज कांड संख्या १७/२२ में मांगी गई है, जिसकी जांच सीआइडी कर रही है।

इन धाराओं में चलाया जाएगा मुकदमा

जिन धाराओं में मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी गई है, उनमें धारा १५३ (ए), १५३एए व २९५ए भादवि (भारतीय दंड विधान) शामिल हैं। रांची के उपायुक्त ने सीआइडी की अनुशंसा पर स्वीकृति देते हुए राज्य सरकार से मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। अनुमति मिलते ही सभी आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इनके विरुद्ध मांगी गई है अनुमति

मोहम्मद साबिर अंसारी (इस्लाम नगर, पत्थलकुदवा चौक, थाना लोअर बाजार, जिला रांची), मोहम्मद सरफराज (बालूमाथ, थाना बालूमाथ, जिला लातेहार), मोहम्मद तबारक कुरैशी (गुदढ़ी चौक, इमारत सरिया गली, थाना लोअर बाजार, जिला रांची), मोहम्मद शहबाज (साउथ स्ट्रीट, कुर्बान चौक, थाना हिंदपीढ़ी, रांची), मोहम्मद उस्मान उर्फ करण कच्छप (पत्थलकुदवा, इस्लाम नगर, थाना लोअर बाजार, जिला रांची), मोहम्मद अफसर (कलाल टोली, थाना लोअर बाजार, जिला रांची), मोहम्मद अरमान हुसैन (अप्राथमिकी अभियुक्त, निजाम नगर, थाना हिंदपीढ़ी, रांची), मोहम्मद रमजान (निजाम नगर, हिंदपीढ़ी, रांची), मोहम्मद अमजद (हिंदपीढ़ी, गोपाल गली वंशी चौक के नजदीग, थाना हिंदपीढ़ी, रांची), मोहम्मद माज (नेजाम नगर, मोती मस्जिद, जावेद स्ट्रीट के पास, थाना हिंदपीढ़ी, रांची) व मोहम्मद इरफान अंसारी उर्फ इरफान उर्फ जुबेर आलम (इरगु पहाड़ी टोला, थाना सुखदेवनगर, रांची)।

हाई कोर्ट ने भी स्वयं संज्ञान लिया था

रांची में हुई इससे १५ की घटना को झारखंड हाईकोर्ट ने भी सता संज्ञान लेते हुए कड़ा रुख अख्तियार किया था और सरकार से जवाब तलब किया जिसके उपरांत झारखंड हाई कोर्ट ने भी इस मामले में सुनवाई के दौरान सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई थी। अदालत ने टिप्पणी की थी कि इस मामले की पुलिस व सीआइडी से अलग-अलग जांच कराने से प्रतीत होता है कि सरकार आरोपितों को बचाना चाहती है। सीआइडी ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इस तरह के मामलों की जांच में कितनी सफलता मिली। अदालत ने कहा कि घटना के प्रत्यक्षदर्शी रांची के तत्कालीन एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा व डेलीमार्केट थानेदार को हटाने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं दिया गया है।

अमित शाह ने सपरिवार किए बाबा वैद्यनाथ के दर्शन

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को झारखंड के देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की और नैनो यूरिया कारखाने की नींव रखी। देवघर के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि शाह देवघर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद सीधे बाबा वैद्यनाथ का दर्शन पूजन करने सपरिवार पहुंचे और मंदिर में विशेष पूजा की. बाद में उन्होंने एक भव्य कार्यक्रम में नैनो यूरिया कारखाने की नींव रखी।

बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद बाबा वैद्यनाथ से मांगा. पूजा के उपरांत केंद्रीय गृह मंत्री को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्री बादल द्वारा मंदिर श्राईन बोर्ड की तरफ से अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह समर्पित कर अभिनंदन किया गया। बाद में गृहमंत्री ने अपराह्न लगभग ढाई बजे जसीडीह औद्योगिक क्षेत्र के इफको ग्राउंड में देश के पांचवें नैनो यूरिया कारखाना परिसर की आधारशिला रखी।

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) के प्रबन्ध निदेशक यू एस अवस्थी ने बताया कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ४५० करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले देश के इस पांचवें नैनो यूरिया कारखाना परिसर की शनिवार को नींव रखी। उन्होंने बताया कि यह देश का पांचवां नैनो यूरिया कारखाना होगा। दुनिया के पहले नैनो यूरिया कारखाने का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष गुजरात में किया था।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने जसीडीह औद्योगिक क्षेत्र में ही दोपहर तीन बजे बीजेपी की विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। अमित शाह इससे पहले १२ सितंबर २०१९ में बाबा मंदिर में पूजा करने के लिए यहां पहुंचे थे। अमित शाह शाम को रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ के शताब्दी समारोह में भी भाग लेंगे। शाह के झारखंड दौरे को वर्ष २०२४ में होने वाले लोकसभा चुनाव और वर्ष २०२४ के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने इससे पहले जनवरी में चाईबासा का दौरा किया था और हेमंत सोरेन सरकार से दूसरे देशों से आने वाले विदेशियों की घुसपैठ को प्रतिबंधित एवं चिन्हित करने की मांग की थी जो ''झारखंड की आदिवासी महिलाओं से विवाह कर केवल जमीन पर कब्जा एवं राज्य के डेमोग्राफी को चेंज करने का प्रयास कर रहे हैं।''

वर्ष २०१९ के आम चुनावों में बीजेपी ने झारखंड की चौदह लोकसभा सीटों में से अपनी सहयोगी आज्सू की एक सीट को मिलाकर कुल १२ सीटें जीतने में सफलता हुई थी जबकि उसी वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में चुनाव पूर्व गठबंधन करने में विफल रही बीजेपी सत्ता से बाहर हो गयी थी और उसे बहुमत के लिए आवश्यक ४१ सीटों की जगह सिर्फ २५ सीटों से संतोष करना पड़ा था।

शिक्षा क्षेत्र में बदलाव हेतु विविध एजेंसियों का सहयोग

नई दिल्ली : अटल इनोवेशन मिशन - नीति आयोग, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड - शिक्षा मंत्रालय, और इंटेल इंडिया ने एआई एवं टिंकरिंग जैसे भविष्य के कौशल को औपचारिक पाठ्यक्रम में शामिल करके शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए परस्पर सहयोग किया है। इस कदम का व्यापक उद्देश्य युवाओं के लिए तकनीकी एकीकरण की गति बढ़ाने, देश में भविष्य के कौशल के मामले में व्याप्त अंतर को पाटने की जरूरत और भारत को एआई के लिए तैयार करने की दिशा में मौजूदा बुनियादी ढांचे (एटीएल, आदि) को अधितकम उपयुक्त बनाने हेतु एनईपी २०२० के मार्गदर्शन को अनुकूल करना है। साथ में, उन्होंने सितंबर २०२२ में स्कूली पाठ्यक्रम में एआईओटी के एकीकरण की शुरुआत की और एक प्रायोगिक कार्यक्रम की पहल की।आज का प्रदर्शन इस प्रायोगिक कार्यक्रम का परिणाम था और उसमें था, अकादमिक और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण के बाद खुद शिक्षकों द्वारा तैयार की गई एआईओटी के एकीकरण पर आधारित पाठ संबंधी योजनाओं का प्रदर्शन, टिंकरिंग और एआई का उपयोग करके छात्रों द्वारा अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में एआई और एआईओटी-समर्थ सामाजिक प्रभाव वाली परियोजनाओं का प्रदर्शन, और देश में डिजिटल तैयारी के अभियान में शामिल होने के इच्छुक स्कूलों और शिक्षकों की गति को निर्धारित करने हेतु ७० अनुकरणीय पाठ योजनाओं के साथ एक सार-संग्रह को जारी करना।मुख्य अतिथि डॉ. चिंतन वैष्णव, मिशन निदेशक, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग ने अपने मुख्य भाषण में कहा, यह सर्वविदित है कि किसी अवधारणा को कई तरीकों से सीखने से उस अवधारणा बारे में समझ बेहतर होती है।

हमारा लक्ष्य एआई और टिंकरिंग को एकीकृत करने के लिए उपयुक्त कौशल, मानसिकता और टूलसेट के साथ शिक्षकों को सशक्त बनाना है। हम आशा करते हैं कि इस पद्धति के माध्यम से, छात्रों को इस बात की व्यापक समझ प्राप्त होगी कि कैसे उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रभावी ढंग से और जिम्मेदारी से उपयोग किया जा सकता है। हम आशा करते हैं कि स्कूलों को इन पाठ योजनाओं को लागू करने में उतना ही आनंद आएगा जितना हमें उन्हें एक साथ संकलित करके तैयार करने की यात्रा के दौरान आया था।

इस तरह के मल्टी-मोडल सीखने की प्रक्रिया के लिए इस पुस्तक में दिए गए अभ्यासों को तैयार करने में बहुत मेहनत की गई है।

मैं एआईएम के साथ इस सहयोग के लिए सीबीएसई और इंटेल इंडिया को धन्यवाद देता हूं और इसमें भाग लेने वाले उन सभी स्कूलों को बधाई देता हूं जो 'पाठ्यक्रम में एआईओटी का एकीकरण'कार्यक्रम में अग्रणी रूप से प्रायोगिक पहल का हिस्सा थे। मुझे उम्मीद है कि देश भर के शिक्षकों द्वारा तैयार एआईओटी की एकीकृत पाठ योजनाओं के इस सार-संग्रह को देश भर के शिक्षकों द्वारा अपनाया जाएगा, ताकि एआईओटी के अनुकरणीय पाठ योजनाओं का पता लगाया जा सके और उन्हें कक्षाओं में तत्काल लागू किया जा सके।यह सार संग्रह शिक्षकों द्वारा तैयार की गई पाठ योजनाओं का एक संग्रह है और प्रत्येक पाठ इस आशय का एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है कि एआईओटी के एकीकरण का उपयोग कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए कैसे किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, कक्षा ९ का एक पाठ छात्रों को पीठ में दर्द के कारणों का विश्लेषण करने और उसका एक एआई-आधारित उपाय विकसित करने में मदद करता है, जिसमें हर बार गलत मुद्रा का पता लगने पर एक एलईडी बत्ती चमकती है और सही मुद्रा के वापस होने पर हरी बत्ती चमकती है।

सामाजिक विज्ञान के एक अन्य पाठ में, एक छात्र को यह समझने के लिए डिजाइन थिंकिंग प्रक्रिया का उपयोग करने में मार्गदर्शन किया जाता है कि सर्दियों में पौधे क्यों मरते हैं, मिट्टी के नमी के स्तर को रिकॉर्ड करने के लिए सेंसर और आर्डूइनो उनो जैसे टिंकरिंग टूल का उपयोग करने की जानकारी दी जाती है, और फिर रिकॉर्ड किए गए डेटा का उपयोग करके पौधे की सेहत की जानकारी देने के लिए एक पर्यवेक्षित एआई मॉडल का उपयोग करने का समर्थन किया जाता है।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, प्रशिक्षकों और मार्गदर्शकों को संबोधित करते हुए, सीबीएसई के निदेशक (प्रशिक्षण एवं कौशल शिक्षा) डॉ. बिस्वजीत साहा ने कहा कि नई पद्धति कई अतिरिक्त फायदों एवं दक्षता में बढ़ोतरी के साथ अध्यापन संबंधी शिक्षण को पारंपरिक से डिजिटल स्वरूप में बदलाव को संभव बनाएगी। उन्होंने कहा, पाठ योजनाओं के साथ एआई एवं टिंकरिंग का एकीकरण और उन्हें रोजमर्रा की शिक्षण-सीखने की गतिविधियों का हिस्सा बनाने से छात्रों को डिजिटल-फर्स्ट की मानसिकता को आत्मसात करने में मदद मिल सकती है।

हमें उम्मीद है कि यह संग्रह शिक्षकों को अपने छात्रों का मार्गदर्शन करने और वास्तव में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार पीढ़ी के निर्माण में मदद करेगा। सुश्री श्वेता खुराना, वरिष्ठ निदेशक, एशिया पैसिफिक और जापान, ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स ग्रुप, इंटेल, ने भविष्य के लिए भारत की युवा आबादी को सशक्त बनाने की जरूरत के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, पाठ्यक्रम में एआईओटी का एकीकरण, एआईएम - नीति आयोग,सीबीएसई - शिक्षा मंत्रालय, और इंटेल इंडिया के बीच एक सहयोगी प्रयास है।

हमारा लक्ष्य एआई और टिंकरिंग को एकीकृत करने के लिए उपयुक्त कौशल, मानसिकता और टूलसेट के साथ शिक्षकों को सशक्त बनाना है। हम आशा करते हैं कि इस पद्धति के माध्यम से, छात्रों को इस बात की व्यापक समझ प्राप्त होगी कि कैसे उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रभावी ढंग से और जिम्मेदारी से उपयोग किया जा सकता है। हम आशा करते हैं कि स्कूलों को इन पाठ योजनाओं को लागू करने में उतना ही आनंद आएगा जितना हमें उन्हें एक साथ संकलित करके तैयार करने की यात्रा के दौरान आया था। यह कार्यक्रम डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था और इसमें एनसीआर के स्कूलों के लगभग ५०० शिक्षकों ने भाग लिया था।

कार्यक्रम के बाद, चयनित छात्रों और शिक्षकों को नीति आयोग परिसर में अपनी एआईओटी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने और नीति आयोग के सीईओ श्री परमेश्वरन अय्यर के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला।

एक तानाशाह की मौत

एक जमाने में पाकिस्तान के सर्वसत्ताधीश रहे जनरल परवेज़ मुशर्रफ़ की मौत हो गई हैं। वे पाकिस्तानी सेना के चार सितारा जनरल थे जो बाद में पाकिस्तान के दसवें राष्ट्रपति बने। ब्रिटिश शासन के दौरान दिल्ली में जन्में मुशर्रफ का पालन-पोषण कराची और इस्तांबुल में हुआ था। मुशर्रफ ने १९६१ में पाकिस्तान सैन्य अकादमी में प्रवेश किया और १९६४ में पाकिस्तानी सेना की तोपखाना रेजिमेंट में नियुक्त हुए। १९८० के दशक तक, वह एक तोपखाना ब्रिगेड की कमान संभाल रहे थे। १९९० के दशक में, मुशर्रफ को प्रमुख जनरल के रूप में पदोन्नत किया गया और एक पैदल सेना प्रभाग सौंपा गया जिसके बाद में विशेष सेवा समूह की कमान उन्होंने संभाली। इसके बाद वे आगे ब ढ़ते गए। लेकिन जो कि हमेशा लष्करशाह करते हैं, वही उन्होंने किया। उन्होंने तालिबान के लिए पाकिस्तानी समर्थन को प्रोत्साहित करते हुए अफगान गृहयुद्ध में सक्रिय भूमिका निभाई। १९९८ में मुशर्रफ को राष्ट्रीय महत्त्व तब मिला जब उन्हें तत्कालीन प्रधान मंत्री नवाज शरीफ द्वारा चार सितारा जनरल के रूप में पदोन्नत किया गया, जिसकी वजह से मुशर्रफ सशस्त्र बलों के प्रमुख बन गए। उन्होंने कारगिल घुसपैठ का नेतृत्व किया था जिसके कारण १९९९ में भारत और पाकिस्तान में युद्ध हुआ। शरीफ और मुशर्रफ के बीच विवादास्पद संबंधों के बाद, शरीफ ने सेना के नेता के रूप में मुशर्रफ को हटाने का असफल प्रयास किया। इसका बदला लेने के लिए सेना ने १९९९ में एक तख्तापलट किया, जिसके कारण मुशर्रफ को २००१ में पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में सत्ता संभालने का अवसर मिला। बाद में उन्होंने शरीफ को काफी तकलिफ दी। मुशर्रफ के कार्यकाल के दौरान समग्र सकल घरेलू उत्पाद में लगभग ५०% की वृद्धि हुई थी; लेकिन इसी अवधि में, घरेलू बचत में गिरावट आई और आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी। मुशर्रफ की सरकार पर भी मानवाधिकारों के हनन का आरोप भी लगाया गया। आगे राजनीति में फेरबदलाव हुए और मुशर्रफ की स्थिति कमजोर हो गई। २००८ में महाभियोग से बचने के लिए अपना इस्तीफा देते हुए मुशर्रफ लंदन चले गए। पाकिस्तान में लोकतंत्र को बहुत कमजोर करने वाले लष्करशाहों में उनका नाम इतिहास लिखेगा। मुशर्रफ २०१३ में आम चुनाव में भाग लेने के लिए पाकिस्तान लौट आए थे, लेकिन देश के उच्च न्यायालयों द्वारा नवाब अकबर बुगती और बेनजीर भुट्टो की हत्याओं में उनकी कथित संलिप्तता के लिए उनके और अजीज के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के बाद उन्हें चुनाव में भाग लेने से अयोग्य घोषित कर दिया गया। २०१३ में शरीफ के फिर से चुने जाने पर, उन्होंने मुशर्रफ के खिलाफ आपातकालीन नियम लागू करने और २००७ में संविधान को निलंबित करने के लिए उच्च राजद्रोह के आरोप लगाए। मुशर्रफ के खिलाफ मामला २०१७ में शरीफ के पद से हटाए जाने के बाद भी जारी रहा। उसी साल मुशर्रफ को दुबई जाने के कारण भुट्टो हत्याकांड में भगोड़ा घोषित किया गया था। २०१९ में, मुशर्रफ को राजद्रोह के आरोपों में अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। मुशर्रफ कारगिल संघर्ष के पीछे एक प्रमुख रणनीतिकार थे। भारत के लिए वो एक खलनायक थे। मार्च से मई १९९९ तक, उन्होंने कारगिल जिले में कश्मीरी सेना की गुप्त घुसपैठ का आदेश दिया। लेकिन भारतीय सैनिकों की जांबाजी और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के दबाव के चलते पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। आखिर आदमी खाक में ही मिलता हैं। दुबई में वे लंबे समय से बिमार थे और वहीं उनका इलाज चल रहा था। उनकी मौत वहीं पर हुई। जिसने अपने आका को धोखा देकर देश पर हुकूमत की थी, उस तानाशाह को अपने देश में मौत भी नसीब नहीं हुई। जिसने अपनी जन्मभूमि पर आक्रमण किया था, वहां पर उसका नाम बतौर खलनायक लिया जाएगा यह तो निश्चित हैं।

बीबीसी डॉक्युमेंट्री की मंशा को समझें

अवधेश कुमार

नई दिल्ली : बीबीसी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी डॉक्यूमेंट्री को देखने और दिखाने पर उतारू लोग क्या पाना चाहते हैं समझ से परे है। वैसे इसके दिखाने के लिए जिद पर सामने आने वालों की संख्या अत्यंत कम है। मुख्य प्रश्न यह है कि क्या इंडिया :द मोदी क्वेश्चन की विषयवस्तु को लाने के पीछे कोई अच्छा उद्देश्य हो सकता है? बीबीसी ने कहा है कि इसमें नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय संघ स्वयंसेवक संघ से लेकर भाजपा में आने, मुख्यमंत्री बनने और प्रधानमंत्री तक की सफर का विवरण है। सच यह है कि सबसे ज्यादा चर्चा गुजरात दंगों की है। गुजरात दंगों के २० वर्ष हो गए। भारत का आम आदमी उससे बाहर निकल निकल चुका है। बावजूद इस रूप में फिल्माने का क्या उद्देश्य हो सकता है?

- बीबीसी का कहना है कि ब्रिटिश विदेश मंत्रालय से उन्हें एक रिपोर्ट मिली जिसको आधार बनाकर इसका निर्माण किया है।
- डॉक्यूमेंट्री का एकमात्र थीम यही है कि मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में हिंसा के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे। डॉक्यूमेंट्री नरेंद्र मोदी को हिंसा का प्रायोजक व संरक्षक दोनों बताता है।
- इस तरह डॉक्यूमेंट्री का प्रत्यक्ष उद्देश्य यह साबित करना है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार, भाजपा आदि ने योजनाबद्ध तरीके से मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा कराई और की।
- क्या किसी डॉक्यूमेंट्री का ऐसा स्वर पहली बार है? क्या इसे स्वीकार किया जा सकता है?
- प्रतिबंधित होने के कारण मैंने डॉक्यूमेंट्री नहीं देखी है। विदेश में देखने वाले जिन लोगों ने जानकारी दी उसके आधार पर कहा जा सकता है कि इसमें नया कुछ भी नहीं है।
- पहले स्वयं बीबीसी, अनेक विदेशी और यहां तक कि भारतीय मीडिया संस्थानों ने ऐसी रिपोर्ट और डॉक्यूमेंट्री न जाने कितनी बार दिखाई। सबमें मिलाजुला कर यही बातें थीं।
- डॉक्यूमेंट्री की थीम को पुष्ट करने के लिए जिन लोगों के वक्तव्य लिए गए हैं वे सब संघ, भाजपा, मोदी के विरुद्ध पहले से झंडा उठाए हुए हैं।

जहां तक स्वीकार करने की बात है तो

- एक, पिछले वर्ष जून में उच्चतम न्यायालय ने गुजरात दंगों पर अपने अंतिम फैसले में स्पष्ट लिखा है कि हिंसा के पीछे सरकार की सुनियोजित साजिश या भागीदारी का रंच मात्र सबूत नहीं मिलता।
- दो, दंगों की छानबीन के लिए उच्चतम न्यायालय की मॉनिटरिंग में गठित विशेष जांच दल या सिट ने ८ फरवरी, २०१२ की अपनी अंतिम रिपोर्ट में स्पष्ट कहा था कि मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी या सरकार की साजिश या हिंसा में सुनियोजित भूमिका के किंचित भी प्रमाण नहीं मिले हैं।
- तीन, उच्चतम न्यायालय में इसी के विरुद्ध याचिका दायर हुई थी। न्यायालय ने सिट की भूमिका को सराहा और कहा कि इसको अस्वीकार करने का कोई आधार नहीं है।

इस तरह यह डॉक्यूमेंट्री उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरुद्ध है। इस कारण यह शीर्ष न्यायालय की विश्वसनीयता और साख को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश है। प्रश्न है कि सिट और उच्चतम न्यायालय से परे बीबीसी को ऐसे तथ्य कहां से मिल गए जिनसे उसे हिंसा तत्कालीन गुजरात सरकार द्वारा नियोजित व संरक्षित लगता है? जब भी ऐसी डॉक्यूमेंट्री, रिपोर्ट आदि को भारत विरोधी और देश की एकता अखंडता को प्रभावित करने वाला कहा जाता है तो पूछा जाता है कि आखिर मोदी, संघ और भाजपा का विरोध भारत विरोध कैसे हो गया?

- पिछले दो दशक में भारत में हुए आतंकवादी हमलों में पकड़े गए आतंकवादियों में से अनेक ने यही कहा कि उन्हें गुजरात दंगों के जो वीडियो दिखाए गए उनसे गुस्सा पैदा हुआ कि यहां मुसलमानों पर अत्याचार हो रहा है और वे हिंसा के लिए तैयार हुए।
- ऐसी अनेक रिपोर्ट हैं जिनमें भारत सहित विश्व भर में अतिवादी जिहादी

तत्वों के बीच गुजरात दंगों की एकपक्षीय तस्वीरें पेश कर उन्हें भारत विरोधी बनाया गया।
- यह डॉक्यूमेंट्री भी ऐसे समूहों के बीच पहुंचा होगा जो वर्तमान भारत सरकार को इस्लाम और मुसलमानों का दुश्मन बनाकर प्रचारित करेंगे। वैश्विक जिहादी आतंकवाद को देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत के लिए पहले से व्याप्त खतरे में कितनी वृद्धि होगी।
- स्वयं भारत में अतिवादी तत्व ऐसा दुष्प्रचार कर रहे हैं जिस कारण तन से जुदा के नारे लगे और जुदा हुए।

अगर डॉक्यूमेंट्री के तथ्यों और आरोपों में सच्चाई होती तब भी इसे प्रचारित करने से पूर्व सौ बार सोचने की आवश्यकता थी, जबकि यह सच्चाई से परे है। डॉक्युमेंट्री में रिपोर्ट लिखने वाले एक कूटनीतिक कह रहे हैं कि हमारी जांच के निष्कर्ष सही हैं। हिंसा में २००० लोग मारे गए थे और मोदी उसके लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे।

- यह रिपोर्ट तत्कालीन ब्रिटिश विदेश मंत्री जैक स्ट्रॉ के आदेश का हिस्सा थी।
- कहा गया है कि हिंसा का विस्तार मीडिया में आई रिपोर्टों से कहीं अधिक था और दंगों का लक्ष्य मुसलमानों को खदेड़ कर बाहर करना था।
- जैक स्ट्रा कह रहे हैं कि यह बहुत ही हैरान करने वाली रिपोर्ट थी। यह बहुत ही गंभीर दावा था कि मुख्यमंत्री मोदी ने पुलिस को पीछे रख कर और हिंदू चरमपंथियों को शह देकर एक सक्रिय भूमिका निभाई थी।
- बीबीसी का वक्तव्य है कि इस डॉक्यूमेंट्री के लिए उच्चतम संपादकीय मानकों का पालन करते हुए गहन रिसर्च किया गया है। प्रश्न है कि क्या गुजरात में भारतीय जांच एजेंसियों न्यायालयों आदि से ज्यादा पहुंच ब्रिटिश तंत्र की थी? इस डॉक्यूमेंट्री के आरंभ के कुछ मिनट में ही गोधरा रेल दहन के बारे में कहा गया है कि इसकी पीछे किसकी भूमिका थी यह अभी भी विवादित है और मुसलमानों पर इसका आरोप लगाया गया। न्यायालय ने उनके दोषियों को सजा तक दे दी और सारा मामला कानूनी दृष्टि से भारत में बिल्कुल साफ हो गया।

फिर ऐसी टिप्पणी का क्या अर्थ है? दूसरे दंगों में २००० नहीं बल्कि कुल १०४० लोग मारे गए थे जिनमें मुसलमानों की संख्या ७५० के आसपास थी। शेष हिंदू और पुलिस वाले थे। दंगा सरकार द्वारा प्रायोजित थी तो इतनी संख्या में हिंदू और पुलिस के लोग कैसे मारे गए? उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में दंगों में सरकार और मोदी की भूमिका साबित करने के लिए लगातार कानूनी लड़ाई लड़ने वालों के विरुद्ध जांच करने की अनुशंसा यूं ही नहीं की है।

गुजरात दंगा या ऐसे दूसरे दंगे हम पर शर्मनाक धब्बा हैं, पर पिछले किंतु पिछले २० वर्षों से इस तरह प्रचारित किया गया मानो इसके पहले और बाद में भारत और दुनिया में दंगे हुए ही नहीं हो। ब्रिटेन ही कई दंगों की मार झेल चुका है। भारत के मीडिया ने कभी वहां की सरकार को इसके लिए खलनायक नहीं बनाया।

यह प्रश्न भी उठता है कि उस समय की रिपोर्ट जिसे सार्वजनिक नहीं किया गया वह अचानक बाहर कैसे आ गई? जैक स्ट्रा और ऐसे दूसरे अनेक ब्रिटिश राजनीतिक मानवाधिकारों से लेकर हिंदू-मुस्लिम संबंधों यहां तक कि भारत में सिखों को लेकर भी दुष्प्रचार अभियान में हमेशा शामिल रहे हैं।

इसलिए यह न मानने का कोई कारण नहीं है कि इस रिपोर्ट को बहुआयामी नकारात्मक उद्देश्यों की दृष्टि से बीबीसी को लीक कर डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इनमें भारत के अंदर सांप्रदायिक शांति बिगाड़ने, ९ राज्यों के विधानसभा चुनाव तथा अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ भारत के विदेशी संबंधों को प्रभावित करने की मंशा हो सकती है। ब्रिटेन और भारत सहित दुनिया भर में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो संघ, भाजपा और तत्काल नरेंद्र मोदी को लांछित करने, उनके विरुद्ध जनता के अंदर आक्रोश पैदा करने तथा विश्व भर में उनकी छवि को कलंकित करने के लिए किसी सीमा तक जा सकते हैं।

हालांकि इनकी समस्या यह है कि उन मुद्दों पर दुष्प्रचार करते हैं जिनका लाभ भाजपा और तत्काल मोदी को मिलता है। क्योंकि यह झूठ एवं एकपक्षीय होता है इसलिए देश का बहुमत कभी इसे स्वीकार नहीं करता। जो विचारधारा किसी मजहब के विरुद्ध नफरत और हिंसा पर आधारित होगी उसे इतने लंबे समय तक जनता का समर्थन नहीं मिल सकता। २००२ से २०१४ तक लगातार गुजरात दंगों को लेकर सघन अभियान चले और इसका लाभ भाजपा एवं मोदी को मिला। इसलिए ज्यादा संभावना इसी बात की है कि वर्तमान डॉक्यूमेंट्री चुनावों में भाजपा को क्षति की बजाय लाभ पहुंचा सकते हैं । चुनावी लाभ हानि से परे यह प्रश्न बड़ा है कि आखिर कौन शक्तियां है जो भारत में शांति, स्थिरता और सामाजिक सद्भाव तथा विश्व में भारत का बढ़ता कद सहन नहीं कर पा रही?

९८११० २७२०८

पाकिस्तान और भारत

एक तरफ शीघ्र गति विकास की प्रक्रिया में दौड़ता भारत और दूसरी तरफ उसी के साथ आजाद हुआ पाकिस्तान। पाकिस्तान के आर्थिक हालात बहुत ही बुरे हैं। खाने-पीने की चीजे सामान्य जनों की पहुंच से दूर, राशन के लिए भागादौड़ी, बिजली के लिए माथापच्ची, स्वास्थ्य सेवाओं की मारामारी ऐसा सबकुछ पाकिस्तान में फिलहाल हो रहा हैं। उसका प्रमुख कारण हैं आर्थिक दुःस्थिती के बारे में कुर्सीपरस्त नेताओं का समय पर न जागना। पाकिस्तान की हालत पहले से ही खराब चल रही थी। इस देश में लोकतंत्र सिफ नाम का हैं। मिलिटरी वालों ने कई बार पाकिस्तान के सत्ता के सूत्र हथियाएं हैं। धर्म के नाम पर निर्माण हुआ एक देश हैं पाकिस्तान। करीब-करीब शतप्रतिशत आबादी एक ही कौम की हैं। लेकिन भारत के विरोध में प्रतिशोध की भावना से पीड़ित मानसिकता ने पाकिस्तान को इस कगार पर लाकर खड़ा कर दिया हैं। अपनी क्षमता से बाहर खर्चा मिलिटरी तथा आण्विक अस्त्र बनाने में पाकिस्तान ने किया। लोगों को अच्छी शिक्षा देना, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देना और बदलती दुनिया की ओर देखकर बदलते रहना पाकिस्तान के हुक्मरानों को गंवारा नहीं था। न वो उनकी प्राथमिकता थी। भारत के प्रति विषैली भावना रखना, कश्मीर का राग आलापते रहना उनके लिए काफी था। आज ऐसी स्थिती हैं कि पाकिस्तान आर्थिक दृष्टी से बुहुत ही बुरी हालत में हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फड से पाकिस्तान से चौदह कर्जे लिए हैं लेकिन भुगतान के बारे में पाकिस्तान का अच्छा रिकार्ड नहीं हैं। हम लोग कई बार भारत के रूपये की गिरावट के बारे में बात करते हैं। आप देखिए कि पाकिस्तानी रूपये की गिरावट कितनी ज्यादा हैं। एक अमरिकी डॉलर २७० पाकिस्तानी रूपयों के बराबर हो गया हैं। पाकिस्तान में विदेशी धन का भंडार काफी कम हुआ हैं। इसलिए अब नए टैक्स लोगों पर लादने काम शुरू हो गया हैं। आईएमएफ ने नई शर्ते डाली हैं जो इस बार पाकिस्तान को माननी ही होगी। अगर पाकिस्तान वह शर्ते मानेगा तो ही उसे और आर्थिक मदद मिलने की संभावना हैं। शर्तों को मानने में पाकिस्तान का इतिहास काफी खराब हैं। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने में इस देश को महारथ हासिल हैं। कश्मीर का राग उससे छोड़ा नहीं जाता लेकिन अपने देश की हालत को सुधारने में वहां के हुक्मरान नाकाबिल दिखते हैं। पाकिस्तान को चाहिए कि वे भारत के प्रति प्रतिशोध की भावना को भूल जाएं और अपना देश सुधारने में ज्यादा वक्त दे। वहां के लोगों को राजनेता गुमराह करते रहे हैं और भारत के विरोध के नाम पर अपना राज चलाते आए हैं। एक ही धर्म होने के बावजूद वहां के लोगों में एकता नहीं। एकता न हो तो देश में स्थिरता नहीं आती और जहां स्थिरता नहीं होती वहां प्रगति नहीं होती। भारत में विविधता की काफी समस्याएं थी और हैं भी। लेकिन लोकतंत्र ने इन समस्याओं के समाधान भी ढूंढे। हमें विविधता में एकता सीखाई। आज हमारा लोकतंत्र अमृत महोत्सव मना रहा हैं। लोकतंत्र में कितनी ही खामियां क्यों न हो, यही एक तंत्र हैं जो ज्यादा से ज्यादा लोगों की भलाई कर सकता हैं। भारत इस वास्तव की मिसाल हैं। लोकतंत्र के प्रति हम सभी को इसलिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। पाकिस्तान में अगर लोकतंत्र सही ढंग से चलता तो शायद ये दिन देखने की नौबत नहीं आती। हमें यानि भारत के लोगों को लोकतंत्र के प्रति श्रद्धा से ही नहीं बल्कि कृति से भी अधिकाधिक प्रतिबद्ध होना चाहिए। पाकिस्तान एपिसोड की सीख यही तो हैं।

युवा संगम पोर्टल का शुभारंभ

नई दिल्ली : युवा संगम पंजीकरण पोर्टल का आज नई दिल्ली के आईजीएनसीए में शुभारंभ किया गया। युवा संगम एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के अनुरूप पूर्वोत्तर क्षेत्र और शेष भारत के युवाओं के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री की एक विशेष पहल है। इसके तहत २०००० से अधिक युवा पूरे भारत में यात्राएं करेंगे और एक-दूसरे के प्रदेश में सांस्कृतिक शिक्षा ग्रहण करने का एक अनूठा अवसर प्राप्त करेंगे। शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, कानून मंत्री श्री किरेन रिजिजू और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर सहित अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इस पोर्टल को लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि युवा संगम कार्यक्रम पूर्वोत्तर के युवाओं को पूरे देश से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं के लिए संपूर्ण भारत को देखने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त होगा।

श्री रेड्डी ने कहा कि युवा संगम कार्यक्रम भारत को देखने, जानने, समझने और देश के लिए कुछ करने का मौका देगा। यह व्यापक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम देश के युवाओं को भारत की प्राचीन संस्कृति और प्राकृतिक विविधता का विस्तार देखने का अवसर भी देगा। अगले कुछ महीनों में, २०,००० से अधिक छात्र पूरे भारत में यात्रा करेंगे और अपनी आपसी समझ को साझा करेंगे।

श्री रेड्डी ने कहा कि १००० छात्रों में ३०० छात्र पूर्वोत्तर क्षेत्र से होंगे। युवा संगम कार्यक्रम हमारी समृद्ध संस्कृति, हमारे गौरवशाली इतिहास और प्राचीन विरासत के दर्शन का प्रतीक है।

धन के चक्कर में धर्म को कभी मत छोड़ना : प्रदीप मिश्रा

बुरहानपुर : बुरहानपुर में हो रही श्री शिव महापुराण कथा के प्रथम दिवस पर ही सारे रिकार्ड तोड़ते हुए लाखों की संख्या में पधारे श्रद्धालुओं की शिव भक्ति को दर्शा रही है। बुरहानपुर सनातन काल से ऋषि मुनियों, संत महात्माओं और सभी धर्मों के धर्माचार्यों की तपो भूमि रहा है। इसके आसपास अनेक शिवालय पूजे जाते रहे है। जो कि शिव जी के प्रति इस ब्रघ्नपुर क्षेत्र की अनन्य भक्ति का साक्षात दर्शन करा रही है।

यह बात प्रसिद्ध कथा वाचन पंडित श्री प्रदीप मिश्रा (सीहोर) ने बुरहानपुर में श्री शिव महापुराण कथा के प्रथम दिवस कही। श्री मिश्रा ने ब्रघ्नपुर में कथा का आयोजन करने वाली श्री शिव महापुराण समिति संयोजक अर्चना चिटनिस को शिव भक्तों के इस मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र सीमा पर कराए जा रहे इस भक्ति के महासंगम का श्रेय प्रदान किया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने श्री अश्वत्थामा जी के नाम बुरहानपुर की कथा किए जाने का कारण बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र से द्वापर युग (महाभारत कालीन) की अनेक घटनाएं जुड़ी हुई है। स्कंद पुराण में मां ताप्ती की महिमा और ब्रघ्नपुर का महात्म्य मिलता है। अश्वत्थामा जी भगवान शिव के १९वें अवतार हुए और गुरू द्रोणाचार्य की कठौर व अनन्य शिव भक्ति का प्रतिफल रहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से उनके परिवार में शिवजी स्वरूप में अश्वत्थामा का जन्म हुआ। गुरू द्रोणाचार्य ने शिव आराधना में सदैव महादेव के साक्षात दर्शन की अभिलाषा ही रखी और ऐसी भक्ति तथा श्रद्धा कि भगवान को उनके घर में जन्म लेना पड़ा। यह भोलेनाथ ही है जो 'एक लोटा जल से हमारी सारी समस्या का हल' कर देते है। जिसका उदाहरण गुरू द्रोणाचार्य जी रह चुके है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि हमको धन के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए और धन के चक्कर में धर्म तो कभी भी मत छोड़ना। हमारा शरीर स्वस्थ है वह जब तक प्राण है तब तक जीव अपने आराध्य शिव की तपस्या कर ले तो बेहतर है। इस शरीर से स्वस्थता रूपी प्राण निकल जाने पर यही शरीर शव हो जाता है? हम जहां रहे वहां श्रेष्ठ बनने का काम करें यहीं साधु स्वरूप है। सन्यासी, तपस्वी होकर ही मनुष्य साधु नहीं बनता, ग्रहस्थ और सांसारिक जीवन जीते हुए भी साधुत्व को पाया जा सकता है।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा स्थल पर उपस्थित श्रोताओं में श्रीमती सुरेखा संतोष सोनार बुरहानपुर की दो बहनों सहित भुसावल आदि स्थानों से पधारी महिलाओं से साक्षात्कार कराते हुए शिव उपासना और श्री शिव महापुराण के उपायों से इनके दुख-दर्दो के निवारण की व्यथा-कथा को उपस्थित जनसमूह के समक्ष बताया। श्री मिश्रा ने कहा कि शिव भक्ति और भक्ति का भाव ही भव को तारने के लिए काफी है। आप विश्वास रखो तो शिव जी आपका ध्यान रखेंगे। हमें नेचर पर ध्यान देना होगा, केवल फर्निचर देखने से लाभ नहीं पाया जा सकता। इसलिए फर्निचर नहीं उसके नेचर को देखोंगे तो फायदे में रहोंगे अर्थात् दिखावे की पूजा-पाठ मत करो।

कथा संयोजक एवं पूर्व मंत्री मैडम अर्चना चिटनिस ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भगवान शिव की भक्ति हमें वास्तविकता से परिचय कराती है। वे आशुतोष है, शिव सर्व व्यापी है।

श्री शिव महापुराण कथा के आरंभ में अध्यक्ष माधव बिहारी अग्रवाल व कथा संयोजक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने पूजा-अर्चना कर महाआरती की। श्रीमती चिटनिस ने श्री शिव महापुराण को अपने सिर पर लाकर व्यासपीठ पर विराजमान कराया। कथा में बुरहानपुर के सभी संत, महंत और ब्राम्हण वृंद उपस्थित रहे। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा स्थल पर उपस्थित संत, महंत और ब्राम्हणवृंद को अभिवादन करते हुए भागवताचार्य को प्रणाम किया।

कथा विराम महाआरती सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, उद्योगपति संजय अग्रवाल (टेक्समो), नेपानगर विधायक श्रीमती सुमित्रा कास्डेकर, महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, किशोर पाटिल, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज लधवे एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकु टाक, नगर निगमाध्यक्ष श्रीमती अनिता अमर यादव, ईश्वर चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनाली प्रदीप पाटिल, शाहपुर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती साधना विरेन्द्र तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने की।

गुजरात, मुंबई में बढ़ रहा पारा

नई दिल्ली : उत्तर पश्चिम, मध्य और पूवी भारत के अधिकांश हिस्सों में दिन और रात का तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है. वहीं, दिल्ली में कल काले बादल छाए रह सकते हैं. मौसम विभाग की मानें तो महाराष्ट्र, गुजरात जैसे राज्यों में तापमान में बढ़त देखी जा सकती है. यहां पढ़िए आज के मौसम का हाल.

देश के अधिकतर राज्यों से ठंड की वापसी हो रही है. वहीं, कुछ राज्य ऐसे हैं जहां गमी पड़ने लगी है. महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात के तट वाले इलाकों में तापमान ३७ से ३९ डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है. मौसम विभाग की मानें तो आनेवाले तीन दिनों में तापमान में बढ़त देखी जाएगी. वहीं, उत्तर पश्चिम भारत के भी कई राज्यों में न्यूनतम तापमान में २ से ३ डिग्री की बढ़त देखी जा सकती है.

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

देश की राजधानी दिल्ली में आज यानी १८ फरवरी को न्यूनतम तापमान १३ और अधिकतम तापमान ३० डिग्री दर्ज किया जा सकता है. वहीं, हल्का कोहरा भी दिल्ली में रह सकता है. मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट की मानें तो इस बार फरवरी में एक भी दिन बारिश नहीं हुई है, लेकिन १९ और २० फरवरी को दिल्ली में बादल छाए रह सकते हैं.

मुंबई में आज न्यूनतम तापमान २० और अधिकतम तापमान ३८ डिग्री रह सकता है. वहीं, अगर अहमदाबाद की बात करें तो यहां न्यूनतम तापमान १७ डिग्री और अधिकतम

तापमान ३९ डिग्री रहेगा. गोवा की बात करें तो पणजी में आज न्यूनतम तापमान २१ और अधिकतम तापमान ३३ डिग्री रह सकता है.

एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ का असर पश्चिम हिमालयी क्षेत्र पर नजर आएगा. इसी के चलते आज लद्दाख, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और हिमपात संभव है. वहीं, उत्तर पश्चिम, मध्य और पूवी भारत के अधिकांश हिस्सों में दिन और रात का तापमान सामान्य से ऊपर रह सकता है.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान १६ और अधिकतम तापमान २९ डिग्री दर्ज किया जा सकता है. वहीं, सुबह के वक्त लखनऊ में कोहरा रहेगा. गाजियाबाद की बात करें तो यहां आज न्यूनतम तापमान १५ और अधिकतम तापमान २९ डिग्री दर्ज किया जा सकता है. १९ और २० फरवरी को गाजियाबाद में भी काले बादल छाए रह सकते हैं.

स्टारडस्ट के ५० साल पूरे

सितारों ने रेड कार्पेट पर बांधा समां

स्टारडस्ट के ५० साल पूरे होने पर रेड कार्पेट पर सितारों जलवा देखने को मिला। रेखा साडी में खूबसूरत लगीं, तो भूमि और वाणी ने गाउन में अपनी अदाएं दिखाईं।

स्टारडस्ट ने इंडस्ट्री में अपने ५० साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें बी टाउन के सेलेब्स ने जलवा बिखेरा। सोशल मीडिया पर रेड कार्पेट की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें सितारों का बेस्ट अवतार देखने को मिला। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा भूमि पेडनेकर के लुक की रही, जिन्होंने कटआउट गाउन में अपने एब्स फ्लॉन्ट किए।

इस इवेंट में कार्तिक आर्यन, अनुपम खेर, सोनू सूद, रवीना टंडन, रेखा समेत बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे थे। मेटैलिक गाउन में वाणी कपूर बेहद स्टाइलिश लगीं, तो भूमि पेडनेकर ने एमेरल्ड ग्रीन कलर के गाउन में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भूमि के लुक की सबसे ज्यादा चर्चे हुए, जिसमें वह डार्क आइज, न्यूड लिप्स और बंधे बालों के साथ अपने एब्स फ्लॉन्ट करती नजर आईं। भूमि के टोन्ड फिगर ने लोगों की खूब वाहवाही बटोरी।

भूमि के लुक ने लूट ली महफिल

इसके अलावा रेड कार्पेट पर रवीना टंडन और रेखा साथ में सेल्फी लेती नजर आईं। रवीना ने सिल्वर और ब्लैक कलर की ड्रेस कैरी की थी, तो रेखा ब्लैक, गोल्डन कलर की साडी में गजरे के साथ बेहद खूबसूरत लगीं। इसके साथ ही रेखा के हाथ में ब्लैक और गोल्डन कलर का छोटा सा पर्स भी दिखाई दिया। वहीं, श्रेया सिरन, निम्रत कौर, सान्या मल्होत्रा, टिस्का चोपडा, नरगिस फाकरी, मनोज बाजपेयी, मधुर भंडारकर, अनिल कपूर, मनीष पॉस, आयुष शर्मा सहित कई सितारे नजर आए।

आखिरकार पोल खुल गई!

कौन है भूमि पेडनेकर को सरेआम किस करने वाला शख्स?

हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के मुंबई के पांच सितारा होटल में ऑर्गेनाइज्ड हुए वेडिंग रिसेप्शन में बॉलीवुड का कोई ही सेलिब्रेटी मिस रहा होगा। कपल के रिसेप्शन में दिग्गज सेलिब्रिटीज ने शिरकत कर सिद्धार्थ और कियारा को बधाई दी। वही बॉलीवुड के जाने माने सितारों से लेकर अंबानी परिवार भी वहा पहुंचा।

वही बॉलीवुड के करण जौहर, आदित्य, विद्या बालन, आलिया भट्ट, दिशा पाटनी के साथ साथ भूमि पेडनेकर भी वहा अपने खूबसूरत अंदाज में पहुंची। यही नहीं भूमि के लुक ने सबको दीवाना बना दिया था। बता दे, भूमि ने काफी कलर की साड़ी, सिंपल नेकलेस और बैकलेस ब्लाउज में खुद को कैरी किया था जिसमें वो सबसे अट्रैक्टिव और यूं कहे तो सबसे अलग दिख रही थी।

दरअसल भूमि का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यह वीडियो हाल ही में हुए सीड कियारा के वेडिंग रिसेप्शन का है जिसमें भूमि एक शख्स को किस करती नजर आ रही है। बता दें इस वीडियो में जैसे ही भूमि रिसेप्शन से बाहर आती है एक शख्स उन्हे सी-ऑफ करने बाहर तक आता है।

इस दौरान जब भूमि अपनी गाड़ी में बैठ जाती है तो वो शख्स एक्ट्रेस को लिप्स पर किस भी करता है, इस वीडियो के सामने आने के बाद एक तरफ फन्स जहां हैरान हैं, वहीं कुछ पूछने लगे हैं कि ये शख्स आखिर कौन है? अगर आपने भी यह वीडियो देखा तो आप भी कन्फ्यूज्ड होंगे आखिर यह शख्स कौन है?

बता दे भूमि पेडनेकर के साथ दिखने वाला शख्स कोई और नहीं २८ साल की उम्र के यश कटारिया है जोकि पेशे से बिजनेसमैन है। पेशे से बिल्डर यश बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह और जैकी भगनानी के क्लोज फेंड हैं। काफी समय से यह खबर आ रही थी कि भूमि यश को डेट कर रही हैं।

हालाकि दोनो की तरफ से अभी तक इस बात पर मोहर नही लगी है यह दोनो एक दूसरे को डेट कर रहे है या नहीं? लेकिन जब सारे आम भूमि को यश ने किस किया तो पैपराजी के कैमरे से बच नहीं पाए, और कैमरा में कैद यह वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रही है।

संगीतकार रिकी केज ने तीसरी बार ग्रैमी पुरस्कार जीता

संगीत की दुनिया में सबसे बड़े माने जाने वाले ग्रैमी अवॉर्ड्स का आयोजन लॉस एंजेलिस में हुआ। इस बार भारत के लिए ग्रैमी से एक अच्छी खबर है। भारत के रिकी केज ने अपना तीसरा ग्रैमी पुरस्कार जीता। बेयोंसे ने अपने ३२वें पुरस्कार के साथ सबसे अधिक ग्रैमी पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। रिकी केज को उनके एल्बम डिवाइन टाइड्स के लिए ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसे सर्वश्रेष्ठ इमर्सिव ऑडियो एल्बम श्रेणी में नामांकित किया गया था।

संगीतकार रिकी केज ने भारतीयों को एक बार फिर गर्व महसूस करने का मौका दिया है। ६ फरवरी को, रिकी ने ६५वें वार्षिक संगीत पुरस्कार में अपना तीसरा ग्रैमी जीता। रिकी केज बंगलौर के रहने वाले हैं और उन्होंने ग्रैमी पुरस्कार जीतकर पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया है। रिकी केज तीन ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। पुरस्कार जीतने के बाद, रिकी ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी साझा की और लिखा: अभी-अभी मेरा तीसरा ग्रैमी पुरस्कार जीता है। अभिभूत हूं, मैं यह पुरस्कार भारत को समर्पित करता हूं। पॉप स्टार रिकी केज बियॉन्से ने इस साल के ग्रैमी अवार्ड्स में २ पुरस्कार जीते। यह बेयोंसे का ३२वां ग्रैमी अवॉर्ड था।

'क्या थप्पड़ की गूंज है...'

क्या थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुना देगी जेलर..., दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर का यह मशहूर डायलॉग है। इस बार उनके सामने ट्रेजेडी किंग दिलीप कुमार खड़े थे। उन्होंने सुभाष घोई की कर्मा में एक गद्दार की भूमिका निभाई। अनुपम खेर अकेले ऐसे हैं जिन्होंने अपने अभिनय करियर में एक बूढ़े पिता की भूमिका निभाई। उन्होंने हर फिल्म में जानदार परफॉर्मेंस दी। दादी, तेजाब, बुधवार, सामंथा में भूमिकाएँ उनके लिए थीं। न केवल खलनायक, बल्कि चरित्र अभिनेता, हास्य भूमिकाएं भी। अब उनकी नई फिल्म शिव शास्त्री बाल्बोआ आ रही है। इसके अलावा नीना गुप्ता, जुगल हंसराज, नरगिस फाखरी, शारिब हाशमी भी हैं।

क्रिती सेनन

भारतीय फिल्म निर्माण के १०० साल पूरे हो गए हैं। कुछ साल पहले तक फिल्मों का प्रचार पोस्टर के जरिए ही होता था। कलाकार वास्तव में कहीं नहीं गया था। अब यह अवधारणा टूट चुकी है और यह सीधे दर्शकों तक पहुंचती है। हाल ही में, क्रिती सेनन ने आगा में ताजमहल में कार्तिक आर्यन के साथ अपनी नई फिल्म शहजादा का प्रचार किया। किर्ती सेनन ने अपने करियर की शुरुआत दक्षिणी फिल्मों से की थी। वर्तमान में वह बॉलीवुड में सफल हो रही है। २०१४ के बाद से उनकी एक्टिंग का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। पानीपत में उनके रोल को फैंस ने काफी पसंद किया था। जल्द आ रही है किती की फिल्म शहजादा, कार्तिक आर्यन के साथ देखीं ताजमहल इसके बाद कार्तिक ने शहजादा, ताज और मुमताज कहते हुए एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। यह दक्षिण के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और पूजा हेगड़े की वैकुंठपुरमुलु की रीमेक है।

कास्टिंग काउच पर साउथ की लेडी सुपरस्टार का खुलासा

बोली- लीड रोल के बदले प्रोड्यूसर ने...

नयनतारा ने खुलासा किया है कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पडा था। एक्ट्रेस इसके बाद से ही सुर्खियों में आ गई हैं।

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री जल्द शाहरुख खान के साथ 'जवान' से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं, लेकिन इस बार वह किसी फिल्म नहीं बल्कि कास्टिंग काउच को लेकर किए गए खुलासे को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में नयनतारा ने खुलासा किया कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पडा था।

दरअसल, हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू के दौरान नयनतारा ने खुलासा किया है कि उन्हें भी कास्टिंग काउच का शिकार होना पडा था। एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच को लेकर अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि एक फिल्म में लीड रोल देने के बदले प्रोड्यूसर ने उनसे कुछ मांगें रखी थीं। हालांकि नयनतारा ने फिल्म में रोल और किसी भी मांग को पूरा करने के लिए मना कर दिया था। अभिनेत्री ने फिल्म और प्रोड्यूसर के नाम का खुलासा नहीं किया।

सब कहानी है...

फिल्म किसी भी विषय पर बन सकती है। केवल अवधारणा को जड़ पकड़नी चाहिए। कहानी सब कुछ होनी चाहिए। एक फिल्म जो अगले कुछ दिनों में स्क्रीन पर आएगी, युद्ध गश्ती यूके के विषय से संबंधित है और भारत से संबंधित है। विवेक अग्निहोत्री फिलहाल कश्मीर फाइलों के निर्माण के बाद कोरोना काल में भारत द्वारा तैयार किए गए टीके के विषयों पर आधारित एक फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। मूल कहानी बेशक कोरोना काल और उस पर भारत की जीत है। साथ ही दूसरे देशों को दिए सहयोग का हाथ। कुछ साल पहले प्रकाश मेहरा ने एक शराबी लड़के 'गुंफू न शराबी' की कहानी बनाई थी। उनकी सफलता को सभी ने महसूस किया। अब रूस और ब्रिटेन के बीच यूरोप में चल रहे युद्ध में फंसे भारतीयों को वापस लाने की मुहिम पर्दे पर दिखेगी। ऑपरेशन एएमजी नाम की नई फिल्म का निर्माण सुनील जोशी और नीतू जोशी ने किया है, जिसकी कहानी और पटकथा समीर अरोड़ा और प्रेरणा धराप ने लिखी है। यह फिल्म २६ जनवरी २०२४ को रिलीज होगी।

TMKOC में क्या फिर से होने जा रही दिशा वकानी की एंट्री?

अिसत मोदी ने दिया ये कन्फर्मेशन

लम्बे समय से चलता आ रहा टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सालो से अपने दर्शकों को एंटरटेनमेंट का फुल डोज देता हुआ आ रहा हैं। हालांकि 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का ये सीरियल अब ढीला पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा हैं। इसकी वजह यह है की शो के कई अच्छे और मुख्य किरदार अब इस शो को अलविदा कह चुके हैं। साथ ही दर्शकों को सबसे ज्यादा दुख तब हुई थी जब इस सीरियल की जान दया बेन इसे अलविदा कह गयी थी। ऐसे में अब दया बेन को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा हैं।

दरअसल दिशा वकानी जिन्हे लोग उन्हें असली नाम से कम और दया बेन के नाम से ज्यादा जानते हैं। उनकी सीरियल में वापसी को लेकर कई बार ये खबरे सामने आ चुकी हैं है दिशा फिर से 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापसी करने जा रही हैं। ऐसे में फिर से उड़ती-उड़ती खबरे यह सामने आ रही हैं दया बेन फिर में लौट सकती हैं। यह बात खुद सीरियल के प्रोड्यूसर असित मोदी ने कहा हैं।

बता दे की असित मोदी ने दयाबेन पर कई बार अपना बयान दिया है, जिसमें उन्होंने यह भी कहा है कि शो में जल्द ही दयाबेन की एंट्री होगी। वहीं, अब असित मोदी ने दिशा वकानी पर अपना बयान दिया है और बताया है कि दयाबेन कब आ ही है। हाल ही में, असित मोदी से दिशा वकानी के रिप्लेसमेंट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका जवाब देना थोड़ा मुश्किल है। पहले से ही हम सब लोगों ने मन बना रखा है कि अगर पुरानी दया भाभी यानी दिशा वकानी आए। हमारी यही इच्छा है। मैं भगवान से ये प्रार्थना करता हूं कि वह इस किरदार को करने वापस आ जाए।

इसके आगे असित मोदी ने कहा कि अब उनका एक पारिवारिक जीवन है और वो अपने पारिवारिक जीवन को प्राथमिकता दे रही हैं। इसी वजह से उनका आना मुश्किल लग रहा है। लेकिन अब टप्पू आ गया है। तो अब नई दया भाभी भी जल्दी आएगी। दया भाभी का वही गरबा, डांडिया, सब गोकुलधाम सोसाइटी में शुरू होगा।

थोड़ा समय इंतजार कीजिए। अब दया भाभी जल्दी दिखेंगी।

वैलेंटाइन पर आलिया भट्ट ने छोड़ा रणबीर कपूर का साथ

इस खास शख्स के साथ आई नजर

कल पुरे देश में वैलेंटाइन की धूम देखने को मिली। जहां हर एक प्रेमी ने अपने प्रेमिका के साथ अपने प्यार का इजहार किया। ऐसे में बॉलीवुड गलियारों में भी वैलेंटाइन की खूब रौनक देखने को मिली थी। ख़ास मौके पर रणबीर कपूर के साथ बल्कि दूसरे शख्स के साथ सेलिब्रेट करती हुई दिखाई दी। ये तस्वीरें आलिया ने खुद ही अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। जहां तस्वीरें में आलिया रणबीर कपूर नहीं बल्कि अपनी बहन के साथ सेल्फी क्लिक कर मस्ती करती हुई दिखाई दे रही हैं।

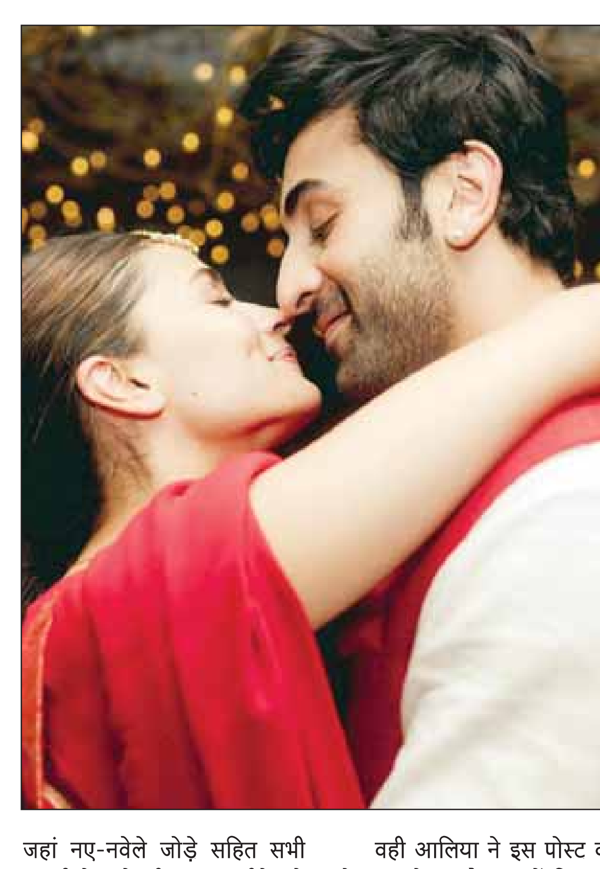

जहां नए-नवेले जोड़े सहित सभी स्टार्स ने बड़े ही खास तरीके से अपना वैलेंटाइन सेलिब्रेट किया हैं। लेकिन इस बीच वैलेंटाइन के मौके पर एक कपल ना जाने क्यों एक दूसरे के साथ नहीं बल्कि अलग-अलग वैलेंटाइन सेलिब्रेट करते हुए दिखाई दिए हैं।

दरअसल ये कपल कोई और नहीं बल्कि बीते साल के सबसे चर्चित कपल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हैं। जहां आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पर वैलेंटाइन डे के

वही आलिया ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है की- 'स्किन केयर मेरे वैलेंटाइन वीडियो जल्द ही आउट होने वाली हैं' तस्वीरों में आलिया भट्ट साटन पिंक टी-शर्ट पहने नजर आ रही हैं तो वहीं, शाहीन जींस के साथ ब्राउन स्वेटशर्ट में पोज देती दिख रही हैं। बता दे की आलिया के इस पोस्ट पर फ्रअब जमकर रियेक्ट करना भी हैं। साथ ही पोस्ट पर अब खूब कमेंट करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

सिद्धार्थ-कियारा को मिला करण जौहर की ३ फिल्मों का ऑफर?

प्रोड्यूसर ने खुद खोला डील का सच!

बॉलीवुड के नए नवेले दूल्हा-दुल्हन सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में कपल शादी कर मीडिया की लाइमलाइट में आ गया। 'शेरशाह' कपल के सात फेरे लेते ही पूरी दुनिया की नज़रें इनपर टिक गई। इनकी वेडिंग फोटोज और वीडियो ने खूब धमाल मचाया, जिसके बाद उनकी रिसेप्शन पार्टी भी बी-टाउन के सितारों से सजी रही। वहीं, हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने अपनी हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें फ्रके साथ शेयर की।

अब उन तस्वीरों पर भी इनके चाहने वाले अपना प्यार लुटा रहे हैं।

इसी बीच सिद्धार्थ और कियारा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। इस खबर को सुनने के बाद कपल ही नहीं बल्कि उनके फ्रभी खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, हाल ही में इनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर कुछ रूमर्स सामने आई हैं। इन रिपोर्ट्स को सुनकर आपको भी यही लगेगा कि सिद्धार्थ और कियारा की लॉटरी लग गई है।

दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि करण जौहर ने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को शादी का एक बड़ा तोहफा दिया है। प्रोड्यूसर ने तोहफेके रूप में सीड और कियारा को एक साथ अपनी ३ फिल्मों के लिए साइन कर लिया। अब करण जौहर के साथ ये ३ फिल्म की डील साइन करने की वजह से कपल सुर्खियों में छा गया। वहीं, खुद करण जौहर का अब इन खबरों पर रिएक्शन सामने आया है।

इन रिपोर्ट्स में कितनी सच्चाई है खुद करण ने बयां कर दिया है। कहा जा रहा है कि अब करण जौहर ने इन सभी खबरों को निराधार बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिद्धार्थ और कियारा ने करण जौहर के साथ फिलहाल कोई भी फिल्म साइन नहीं की है। दरअसल, सिद्धार्थ और कियारा-करण जौहर के बहुत करीब हैं। ऐसे में करण जौहर को उन्हें किसी कॉन्ट्रैक्ट में बांधने की जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं करण के सिफ उनसे पूछने पर ही ये कपल उनकी फिल्म का हिस्सा बन जाएंगे।

'क्रिलियन सिक्योरिटी'

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रोडक्शन के लिए पैसा लगाया जाता है और उससे कई गुना ज्यादा निकाला जाता है। जैसे ही पैसा आया, इन मंडलियों के जीवन को खतरा पैदा हो गया। इसलिए उन्हें अपनी सुरक्षा पर सालाना करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। अभिनेता सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा हैं, जो २५ साल से काम कर रहे हैं। उन्हें सलमान से हर साल २ करोड़ रुपए सैलरी मिलती है। शाहरुख खान के बॉडीगार्ड रवि सिंह साल के २ करोड़ ७० लाख कमाते हैं। मिस्टर परफेक्ट उर्फ आमिर खान के बॉडीगार्ड युवराज घोरपड़े भी साल के २ करोड़ रुपए कमाते हैं। अनुष्का शर्मा हर महीने १० लाख रुपये सिक्योरिटी पर खर्च करती हैं।

शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और तीर कमान

ये लोकतंत्र की जीत : सीएम

शिंदे गुट की बडी जीत

नई दिल्ली : महाराष्ट्रकी राजनीति में लंबे समय से उठापटक जारी है. शिवसेना के नाम और पार्टी के सिंबल पर हक को लेकर उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच पिछले कुछ समय से तनातनी चल रही थी. इसी बीच चुनाव आयोग ने बडा फैसला सुनाया है. चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद एकनाथ शिंदे गुट को पार्टी का नाम और शिवसेना का प्रतीक तीर कमान सौंप दिया है. शिवसेना का नाम और पार्टी का निशान उद्धव ठाकरे से छिन गया है.

इस आधार पर चुनाव आयोग ने सुनाया फैसला

शिवसेना अब शिंदे गुट की हो गई है. निर्वाचन आयोग ने शिंदे गुट को ही असली शिवसेना का नियंत्रक बना दिया है. अपने ७८ पेज के फैसले में निर्वाचन आयोग ने कहा कि विधान मंडल के सदन से लेकर संगठन तक में बहुमत शिंदे गुट के ही पास दिखा है. आयोग के सामने दोनों पक्षों ने अपने-अपने दावे और उनकी पुष्टि के लिए दस्तावेज प्रस्तुत किए थे.

एकनाथ शिंदे गुट के पास एकीकृत शिवसेना के टिकट पर जीत कर आए कुल ५५ विजयी विधायकों में से ४० आमदार यानी विधायक हैं. पार्टी में कुल ४७,८२,४४० वोटों में से ७६ फीसदी यानी ३६,५७,३२७ वोटों के दस्तावेज शिंदे गुट ने अपने पक्ष में पेश कर दिए.

उद्धव ठाकरे गुट ने शिवसेना पर पारिवारिक विरासत के साथ ही राजनीतिक विरासत का दावा करते हुए १५ विधायकों और कुल ४७,८२,४४० वोट में से सिर्फ ११,२५,११३ वोटों का ही दस्तावेजी सबूत पेश कर पाए थे. यानी कुल २३.५ फीसदी वोट ही ठाकरे गुट के पास थे. शिवसेना के कुल ५५ आमदार यानी विधायकों में सिर्फ १५ का समर्थन ठाकरे गुट के पास था.

संजय राउत बोले- ये लोकतंत्र की हत्या

चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट कर कहा कि इसकी स्क्रिप्ट पहले से ही तैयार थी. देश तानाशाही की ओर बढ. रहा है. जबकि कहा गया था कि नतीजा हमारे पक्ष में होगा. लेकिन अब एक चमत्कार हो गया है. लडते रहो. संजय राउत ने कहा कि ऊपर से नीचे तक करोडों रुपए पानी की तरह बहाया है. हमें फिक्र करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जनता हमारे साथ है. लेकिन हम जनता के दरबार में नया चिन्ह लेकर जाएंगे और फिर से शिवसेना खडी करके दिखाएंगे, ये लोकतंत्र की हत्या है.

उद्धव गुट के नेता ने की फैसले की निंदा

सीएम शिंदे बोले- ये लोकतंत्र की जीत

चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद महाराष्ट्रके सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये लोकतंत्र की जीत है. लोग हमसे जुड. रहे हैं. ये सत्य की जीत है. ये बालासाहेब के विचारों की जीत है. एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये लाखों कार्यकर्ताओं की जीत है.

उद्धव ठाकरे गुट के नेता आनंद दुबे ने कहा कि वहीं आदेश आया है, जिसका हमें अंदेशा था. उन्होंने कहा कि हम कहते रहे हैं कि हमें चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है. जब मामला सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, तो चुनाव आयोग द्वारा यह जल्दबाजी दिखाती है कि यह केंद्र सरकार के तहत भाजपा एजेंट के रूप में काम करता है. हम इसकी निंदा करते हैं.

'सुप्रीम कोर्ट के फैसले का करें इंतजार', उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग से की मांग.

उद्धव ठाकरे ने आज मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि शिवसेना के चुनाव चिन्ह और नाम पर चुनाव आयोग को अपना फैसला सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुनाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट शिवसेना के बागी विधायकों की अयोग्यता मामले पर उद्धव ठाकरे की याचिका पर सुनवाई कर रहा है.

दरअसल, पिछले साल जून में जब एकनाथ शिंदे ने तख्तापलट किया था तो पार्टी में दो गुट उभर आए थे. पार्टी उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के समर्थकों के बीच बंट गई थी. शिंदे गुट की बगावत के बाद महाराष्ट्रमें उद्धव ठाकरे को सीएम पद से इस्तीफा देना पडा था. बाद में एकनाथ शिंदे ने सीएम औ? देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी.

इसके बाद उद्धव गुट और एकनाथ शिंदे गुट असली शिवसेना की पहचान के लिए आमने सामने आ गए थे. जहां एकनाथ शिंदे गुट का कहना था कि हम बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढा रहे हैं. वहीं उद्धव गुट शिवसेना पर अपना दावा ठोक रहा था.

महाराष्ट्रमें सत्ता में बदलाव के बाद उद्धव गुट और एकनाथ शिंदे गुट असली शिवसेना की पहचान के लिए आमने सामने आ गए थे. जहां एकनाथ शिंदे गुट का कहना था कि हम बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढा रहे हैं. वहीं उद्धव गुट शिवसेना पर अपना दावा ठोक रहा था.

दोनों गुटों ने खटखटाया था चुनाव आयोगका दरवाजा

इसके बाद उद्धव गुट और शिंद गुट ने शिवसेना के नाम और पार्टी के प्रतीक चिन्ह तीर कमान को लेकर चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया था. अक्टूबर २०२२ में शिंदे गुट को पार्टी के प्रतीक के रूप में दो तलवार और ढाल के साथ बालासाहेबंची शिवसेना (बालासाहेब की शिवसेना) नाम दिया गया था. जबकि उद्धव गुट को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नाम दिया गया था और प्रतीक चिन्ह मशाल दिया गया था.

दरअसल, शिवसेना के धनुष और बाण चिन्ह के स्वामित्व पर अंतिम सुनवाई जनवरी में हुई थी. चुनाव आयोग का आखिरी फैसला शुक्रवार को आया. हालांकि इस फैसले से जहां शिंदे गुट में जश्न का माहौल है, तो वहीं, उद्धव गुट के लिए ये बडा झटका है. चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद उद्धव गुट के नेताओं ने कहा कि हमें पहले ही इस आदेश का अंदेशा था.

क्या शिवसेना भवन पर भी दावा करेगा शिंदे गुट?

महाराष्ट्र के मंत्री ने दिया जवाब

मुंबई : केसरकर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा उनके गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' आवंटित करने के बाद उसकी पार्टी कोष पर दावा करने में भी कोई दिलचस्पी नहीं है. शिंदे गुट के प्रवक्ता केसरकर ने दावा किया कि ठाकरे गुट चुनाव आयोग के फक्के बाद इस मुद्दे पर सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहा है.

महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री दीपक केसरकर ने मंगलवार को कहा कि एकनाथ शिंदे गुट मुंबई में शिवसेना भवन या राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले खेमे से जुड़ी किसी भी अन्य संपत्ति को नहीं लेना चाहता है. उन्होंने कहा कि इसमें शिंदे गुट की कोई दिलचस्पी नहीं है.

शिंदे गुट के प्रवक्ता केसरकर ने दावा किया कि ठाकरे गुट चुनाव आयोग के फक्के बाद इस मुद्दे पर सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहा है. केसरकर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा उनके गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' आवंटित करने के बाद उसकी पार्टी कोष पर दावा करने में भी कोई दिलचस्पी नहीं है.

बाला साहब ठाकरे की ओर से दिए गए विचार उनकी असली संपत्ति उन्होंने कहा कि शिंदे ने पहले

ही स्पष्ट कर दिया है कि उनका गुट शिवसेना भवन, मध्य मुंबई के दादर स्थित पार्टी मुख्यालय, या ठाकरे समूह से जुड़ी किसी भी संपत्ति पर दावा करने में दिलचस्पी नहीं रखता और दिवंगत बाला साहब ठाकरे की ओर से दिए गए विचार उनकी असली संपत्ति है.

पत्रकारों से बात करते हुए केसरकर ने कहा, 'यह गलत धारणा है कि हम शिवसेना भवन या उद्धव ठाकरे से जुड़ी किसी अन्य संपत्ति को अपने कब्जे में लेने जा रहे हैं. हमें पार्टी कोष में भी कोई दिलचस्पी नहीं है.'

केसरकर ने कहा, 'उद्धव ठाकरे इस मुद्दे से सहानुभूति हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं. हमें कुछ नहीं चाहिए क्योंकि हमारे पास दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के विचार हैं.

निर्वाचन आयोग के आदेश के बाद ठाकरे गुट के सदस्यों द्वारा पार्टी कोष कुछ अन्य बैंक खातों में अंतरित किए जा रहे हैं, इस सवाल के जवाब में केसरकर ने कहा, 'कुछ व्यक्तिगत बैंक खातों में पैसा अंतरित करना गलत है. ये कोष आम पार्टी कार्यकर्ताओं के योगदान से जुटाया गया था.'

सावरकर को भारत रत्न, नौकरियों में ८०% कोटा...

शिवसेना की पहली कार्यकारिणी में उठे ये मुद्दे

मुंबई : महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को होटल ताज में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की. इसमें कई अहम प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें वीर सावरकर को भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी शामिल है. इसके अलावा राज्य में सभी परियोजनाओं में ८० फीसदी रोजगार भूमिपुत्रों, स्थानीय युवाओं को देने, मराठी भाषा को कुलीन भाषा का दर्जा देने के प्रस्ताव भी लाए गए.

शिवसेना का नाम और पार्टी का चुनाव चिह्न आवंटित होने के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को होटल ताज में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पहली बैठक की गई. इसमें कई अहम प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें वीर सावरकर को भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी शामिल है. सबसे पहले इसकी मांग शिवसेना के लोकसभा दल के नेता सांसद राहुल शेवाले ने की थी.

इसके अलावा बैठक में चर्चगेट रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री चिंतामनराव देशमुख के नाम पर करने, राज्य में सभी परियोजनाओं में ८० फीसदी रोजगार भूमिपुत्रों, स्थानीय युवाओं को देने, मराठी भाषा को कुलीन भाषा का दर्जा देने और यूपीएससी व एमपीएससी के लिए मराठी छात्रों को मजबूत समर्थन देने के प्रस्ताव लाए गए.

शिंदे फिर चुने गए शिवसेना के मुख्य नेता

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एकनाथ शिंदे को फिर से शिवसेना का मुख्य नेता नियुक्त किया गया. सर्वसम्मति से शिवसेना के सभी विधायी अधिकार शिंदे को दिए गए. उद्धव ठाकरे द्वारा धारित कार्यकारी अध्यक्ष (कार्यवाहक) और पार्टी प्रमुख (पक्षा प्रमुख) के पदों को खत्म किया जाएगा.

नागपुर में बनेगा दुनिया का सबसे बड़े और अनोखा दिव्यांग पार्क

गडकरी ने अनुभूति पार्क की आधारशिला रखी

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने २० फरवरी को नागपुर (महाराष्ट्र) में दुनिया के सबसे बड़े और अनोखे दिव्यांग पार्क - अनुभूति समावेशी पार्क की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समावेशी समाज के निर्माण के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन को ध्यान में रखते हुए इस पार्क को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहानुभूति दर्शाने के बजाय यह पार्क संवेदना दिखाएगा, इसलिए इस पार्क का नाम अनुभूति दिव्यांग पार्क रखा गया है।

श्री गडकरी ने कहा कि इस पार्क के माध्यम से न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में समावेश का संदेश पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इस पार्क में सभी २१ प्रकार की दिव्यांगता के लिए अनुकूलित सुविधाएं होंगी, इसमें स्पर्श और गंध उद्यान, हाइड्रोथेरेपी इकाई, जल चिकित्सा, मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए स्वतंत्र कक्ष, मां जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

श्री गडकरी ने कहा कि नागपुर शहर देश के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है। वर्ष २०१६ में, केंद्र सरकार ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम को पारित किया था। उन्होंने कहा कि यह कानून दिव्यांगों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने के लिए है। इसी के तहत केंद्र सरकार ने पहल करते हुए दक्षिण भारत और मध्य प्रदेश में कुछ दिव्यांग पार्क बनाए हैं, इसी कड़ी में नागपुर के पारदी परिसर में दिव्यांग बच्चों और आम नागरिकों के लिए यह 'अनुभूति समावेशी पार्क' बनाया जा रहा है.

उन्होंने ने कहा कि यह दुनिया का पहला समावेशी दिव्यांग पार्क है। ९० हजार वर्ग फुट क्षेत्र में बन रहे इस पार्क के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा लगभग १२ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां दिव्यांगों के साथ-साथ आम जनता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है।

हरिद्वार: हरिद्वार में शुक्रवार, १७ फरवरी को 'महा शिवरात्रि' के उपलक्ष में हर की पौडी घाट पर गंगा नदी में पवित्र डुबकी लगाने के लिए भक्त इकट्ठा हुए थे।

'पैसा कमा लिया जाएगा लेकिन नाम गया तो...',

भाई से शिवसेना छिनने पर राज ठाकरे ने शेयर किया बाला साहेब का ऑडियो

मुंबई : महाराष्ट्रमें उद्धव ठाकरे गुट को बडा झटका लगा है. चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह धनुष-बाण देने का फैसला किया है. एक तरफ जहां सीएम एकनाथ शिंदे ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया तो वहीं संजय राउत ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया. इस पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी ट्वीट किया है.

महाराष्ट्रमें शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर लंबे समय से चल रही तनातनी पर विराम लग गया है. उद्धव गुट को बडा झटका लगा है. चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह धनुष-बाण देने का फैसला किया है. एक तरफ जहां सीएम एकनाथ शिंदे ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया तो वहीं संजय राउत ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया.

इस पर उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे ने चुनाव आयोग के फैसले के बाद बाला साहेब ठाकरे का ऑडियो शेयर किया. जिसमें वह कह रहे हैं कि पैसा गया तो फिर कमा लिया जाएगा. लेकिन नाम गया तो कभी वापस नहीं आएगा. मनसे के अध्यक्ष राज ठाकरे ने ऑडियो ट्वीट किया और लिखा, 'बालासाहेब द्वारा दिया गया 'शिवसेना' का विचार कितना सही था, आज हम एक बार फिर जानते हैं...'

भाई उद्धव से शिवसेना का नाम और चिन्ह छिनने के बाद राज ठाकरे ने जो ऑडियो ट्वीट किया है, उसमें बाला साहेब ठाकरे का भाषण है. जिसमें वह कह रहे हैं, 'पैसा आता है और जाता है. पैसा जाएगा तो वापस कमा लिया जाएगा, लेकिन एक बार नाम गया तो कभी वापस नहीं आएगा. इसलिए नाम बड़ा करो. नाम ही सब कुछ है.'

घट रही आदिवासियों की जनसंख्या, घुसपैठिए हड़प रहे हैं जमीन : अमित शाह

रांची : वर्ष २०२४ में लोकसभा के साथ-साथ झारखंड विधानसभा के चुनाव नवंबर दिसंबर में होने वाला है इसके मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपना ध्यान झारखंड पर पूर्ण रूप से देना शुरू कर दिया है वरना क्या कारण है कि महीने से भी कम अंतराल में संथाल का दूसरा दौरा के क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को झारखंड दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने बीजेपी की 'विजय संकल्प महा रैली' को संबोधित किया और हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। अमित शाह ने दावा किया कि हेमंत सोरेन सरकार के सत्ता में रहने के दौरान झारखंड में जनसांख्यिकीय परिवर्तन करा रही है जिसके कारण 'आदिवासी' आबादी का प्रतिशत कम हुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से बड़े पैमाने पर घुसपैठ के कारण आदिवासियों की आबादी ३५ प्रतिशत से घटकर २४ प्रतिशत हो गई है। वोट बैंक के लालच में यहां घुसपैठिए घुसाए जा रहे हैं, वो आदिवासियों की जमीन हथिया रहे हैं। बच्चियों पर अत्याचार कर रहे हैं और हेमंत बाबू, मुस्कराते हुए यह सब देख रहे हैं। इस क्षेत्र में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। चुनाव आ रहे हैं। जनता खुद हिसाब कर देगी।

सभी लोकसभा सीटें जीतेगी बीजेपी'

हेमंत सोरेन सरकार देश में सबसे भ्रष्ट है. कोई मुख्यमंत्री बनता है तो हाथ से करप्शन करता है लेकिन यहां तो ट्रैक्टर और रेलवे के वैगन से भ्रष्टाचार करना शुरू कर दिया गया है। संसाधनों को लूटा जा रहा है। झारखंड की जनता सब देख रही है। बहुत ज्यादा इसका परिणाम भी दिखेगा और आने वाले चुनाव में लोग राज्य में इस सरकार को सत्ता से बेदखल कर देंगे क्योंकि यह 'विकास की आकांक्षाओं' को पूरा करने में विफल रही। शाह ने कहा कि अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा राज्य की सभी १४ लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी।

'तुष्टिकरण की राजनीति

उन्होंने पिछले साल दुमका में १२वीं कक्षा की एक छात्रा की हत्या का जिक्र किया। शाह ने कहा- आदिवासी लड़कियों की हत्या की जा रही है, जबकि हेमंत सोरेन सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। ये क्षेत्र साइबर क्राइम का हब बन गया है। यहां बच्चों को गलत रास्ते पर ले जाकर बड़े-बड़े अपराध हो रहे हैं। भारत सरकार ने साइबर क्राइम से लड़ने के लिए जितनी भी मदद देनी चाही, हेमंत बाबू किसी पर आगे नहीं बढ़े. ये कोई विकास का काम नहीं करना चाहते, सिर्फ वैगनों में भर कर रुपया आए- इतना भ्रष्टाचार करना चाहते हैं।

'जनता अब आपसे हिसाब मांगती है'

गृह मंत्री ने कहा- हेमंत बाबू, संथाल परगना में आपने विकास का कोई काम नहीं किया। सिर्फ जनता को मूर्ख बनाने का काम किया। जनता अब आपको जान चुकी है और आप से हिसाब मांगती है। आदिवासी बेटियों की हत्या का जवाब आपसे मांगा जा रहा है। मोदीजी ने झारखंड के एक बड़े हिस्से को उग्रवाद और नक्सलियों से त्रस्त इलाके को मुक्त करने का काम किया है। हमने झारखंड में विकास की राह बनाने और नक्सलवादियों से मुक्त करने का काम किया।

'हेमंत बाबू, जनता आपको हटाने बैठी है'

शाह ने कहा कि मोदीजी की सरकार ने गरीब, आदिवासी और पिछड़ों के हित को हमेशा वरीयता दी है. आजादी के बाद पहली बार एक गरीब आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनी है। यह हर गरीब और आदिवासी का सम्मान है। गरीबों और आदिवासियों के विकास का पैसा दिल्ली के दरबार में पहुंचाया जा रहा है। जनता सब जानती है। हेमंत बाबू चुनाव में आ जाओ, जनता आपको हटाने को तैयार बैठी है।

एक साल और गरीबों को मुफ्त राशन

अमित शाह ने कहा कि विश्व में सबसे पहले तरल नैनो यूरिया बना कर इफ्को ने एक बहुत बड़ा काम किया है। देवघर की इस पवित्र भूमि पर बना ये कारखाना पूरे संथाल परगना का विकास सुनिश्चित करेगा। कोरोना में हमने तय किया था कि सरकार किसी भी घर का चूल्हा बंद नहीं होने देगी। हमने ढाई साल तक प्रति व्यक्ति-प्रति माह पांच किलो अनाज मुफ्त पहुंचाया है। अब एक साल और हम गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करवाएंगे।

'पैक्स के माध्यम से ३०० सेवाएं मिलेंगी'

इससे पहले सहकारिता मंत्री शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारों की ३०० सेवाएं प्रदान करने का निर्णय लिया है।

पीएसीएस अब कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में काम करेगा और किसान नो-ड्यू सर्टिफिकेट, जन्म और मृत्यु पंजीकरण सहित ३०० सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। पैक्स के १३ करोड़ किसान सदस्यों समेत ग्रामीण आबादी को लाभ मिलेगा। आईटी मंत्रालय ने इस संबंध में सहकारिता मंत्रालय का समर्थन किया है। पैक्स को सक्षम बनाने के लिए शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' को मंजूरी दी

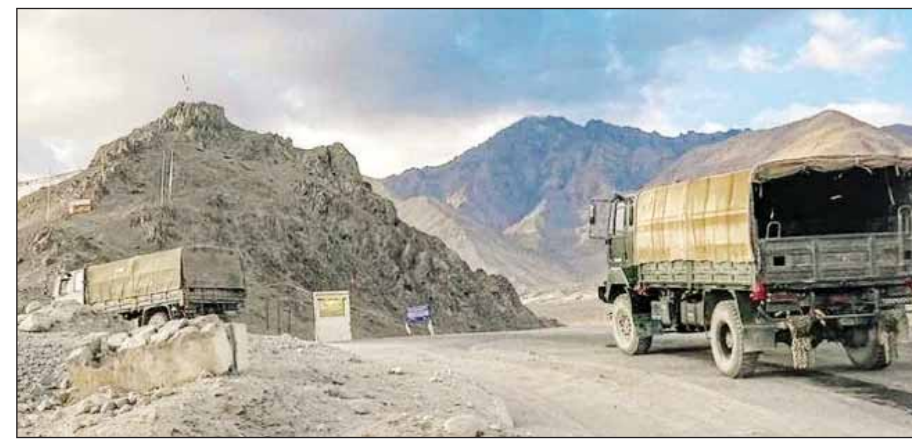

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष २०२२-२३ से २०२५-२६ के लिए ४८०० करोड़ रुपये के वित्तीय आवंटन के साथ केंद्र प्रायोजित योजना वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीपी) को मंजूरी दे दी है।

उत्तरी सीमा पर ब्लॉकों के गांवों के व्यापक विकास से चिन्हित सीमावर्ती गांव में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। इससे लोगों को सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करने तथा इन गांवों से पलायन रोकने में सहायता मिलेगी, सीमा की सुरक्षा में सुधार होगा।

यह योजना देश की उत्तरी भूमि सीमा के साथ १९ जिलों और ४६ सीमा ब्लॉकों, ४ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आवश्यक अवसंरचना विकास व आजीविका के अवसरों के निर्माण के लिए धन प्रदान करेगी, जिससे समावेशी विकास हासिल करने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या को बनाए रखने में सहायता मिलेगी। इस कार्यक्रम के पहले चरण में ६६३ गांवों को शामिल किया जाएगा।

इस योजना का उद्देश्य उत्तरी सीमा के सीमावर्ती गांव में स्थानीय प्राकृतिक मानव और अन्य संसाधनों के आधार पर आर्थिक प्रेरकों की पहचान और विकास करना तथा सामाजिक उद्यमिता प्रोत्साहन, कौशल विकास तथा उद्यमिता के माध्यम से युवाओं व महिलाओं को सशक्त बनाकर हब एंड स्पोक मॉडलपर विकास केंद्रों को विकसित करना, स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और विरासत प्रोत्साहन के माध्यम से पर्यटन क्षमता का लाभ उठाना और समुदाय आधारित संगठनों, सहकारिता, एसएचजी, एनजीओ के माध्यम से एक गांव एक उत्पाद की अवधारणा पर स्थायी इको-एग्री बिजनेस का विकास करना है। वाइब्रेंट विलेज एक्शन प्लान ग्राम पंचायतों की सहायता से जिला प्रशासन द्वारा तैयार किया जाएगा। केंद्रीय तथा राज्य योजनाओं की शत-प्रतिशत पूर्णता सुनिश्चित की जाएगी। जिन प्रमुख उद्देश्यों को हासिल करने का प्रयास किया गया है उनमें- सभी मौसम अनुकूल सड़क, पेयजल, २४द७ सौर तथा पवन ऊर्जा पर केंद्रित विद्युत आपूर्ति, मोबाइल तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी, पर्यटक केंद्र, बहुद्देशीय सेंटर तथा स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेंटर- शामिल है।

सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के साथ किसी तरह की अंशतः समानता नहीं होगी। ४८०० करोड़ रुपये के वित्तीय आवंटन में से २५०० करोड़ रुपए का उपयोग सड़कों के लिए किया जाएगा।

ड्रेस पाकर खिले बच्चों के चेहरे

शिक्षिका ने जन्मदिन पर की पहल

बैतूल : जन शिक्षा केंद्र कृषि बैतूल बाजार अंतर्गत प्राथमिक शाला हथनोरा में शिक्षिका गायत्री अनघोरे ने अपने जन्मदिन पर लगभग २२ विद्यार्थियों को ड्रेस वितरण की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने शिक्षिका को जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

ड्रेस पाकर बच्चों के चेहरे भी खिल उठे। बीआरसीसी ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सकारात्मक रहना जरूरी है। शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का बच्चों के साथ बेहतर व्यवहार होना चाहिए। सकारात्मक सोच रखते हुए बच्चों को शिक्षा प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में होता है। लिहाजा शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए जो भी नई-नई जानकारी दी जा रही है, उसे ध्यान रखकर बच्चों को पढ़ाने का कार्य करे। ड्रेस वितरण के मौके पर बीआरसीसी शिवप्रसाद मोहबे, बीएसी नरेंद्र पठाड़े, सीएसी रविंद्र कावरे, नितेश भावसार, संतोष कास्लेकर, सतीश गीद, ललित आजाद, शिक्षक एवं पालक गण मौजूद रहे।

बेंगलुरु : बेंगलुरु के येलहंका एयर बेस में एयरो इंडिया २०२३ के अंतिम दिन शुक्रवार, १७ फरवरी को प्रदर्शन करती भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्यकिरण एरोबैटिक्स टीम तथा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सारंग एरोबैटिक्स टीम

'इंटर्नशिप का कार्य ज्ञान, भक्ति और कर्म का त्रिवेणी संगम'

भोपाल : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंटर्नशिप का कार्य ज्ञान, भक्ति और कर्म का त्रिवेणी संगम है। इससे जुड़ कर युवा अपनी जिंदगी का एक नया अध्याय प्रारंभ कर रहे हैं। प्रदेश की प्रगति और विकास के लिए आपकी यह इंटर्नशिप मील का पत्थर साबित होगी। यह दुनिया का सबसे बड़ा इंटर्नशिप प्रोग्राम है। दुनिया के लोग इससे जुड़ गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पुलिस ग्राउण्ड, नेहरू नगर में सीएम इंटर्न्स बूटकैंप, मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप प्रोग्राम (मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र) के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप प्रोगाम में चयनित युवाओं को नियुक्ति-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में एप्पा ने विभिन्न ८ संस्थाओं के साथ एमओयू किया।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बन गए हैं। उनके नेतृत्व में देश विकास के नए सोपान गढ़ रहा है। अनेक योजनाएँ प्रधानमंत्री जी चला रहे हैं। अद्भुत कार्य कर रहे हैं। आज भारत नजरें झुका कर नहीं आँखें मिला कर दुनिया से बात करता है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि यह सब उनके आत्म-विश्वास और कठिन परिश्रम से संभव हो रहा है। सभी युवाओं को भी अपने आप पर भरोसा रख कर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो तरह के लोग होते हैं, एक हताश और दूसरे असंभव को संभव करने वाले। युवा अपने ऊपर निराशा हावी न होने दें, पूरे आत्म-विश्वास के साथ कार्य करें। शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ जनता तक पहुँचाने के लिए मैदान में डट कर कार्य करें। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने युवाओं से कहा कि हम प्रदेश में गरीब कल्याण की योजनाओं की मॉनिटरिंग आपको देंगे। योजनाओं के क्रियान्वय में गैप नहीं हो। इसके लिए सभी सहयोग करें। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, राशन आपके ग्राम, आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाएँ प्रदेश में चल रही हैं। योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन को ठीक से देखें, इनके लाभ से कोई वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि पहले प्रदेश में सड़कों की हालत खराब थी। पता ही नहीं चलता था कि गड्ढों में सड़क है या सड़क में गड्ढे हैं। अब शानदार सड़कों का जाल बिछ गया है। सिंचाई की क्षमता साढ़े ७ लाख हेक्टेयर से बढ़ कर ४५ लाख हेक्टेयर तक पहुँच गई है। बिजली में हम सरप्लस स्टेट हैं। प्रदेश में बिजली की क्षमता २९०० मेगावाट से बढ़ कर २६ हजार मेगावाट हो गई है।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने युवाओं से पूछा कि तुम कौन हो। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने स्वयं उत्तर देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर मैं चलने का प्रयास कर रहा हूँ। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि तुम केवल साढ़े तीन हाथ के हाड़-मांस के पुतले ही नहीं, तुम अनंत शक्तियों के भण्डार हो। दुनिया में कोई भी कार्य ऐसा नहीं जो तुम न कर सको। जरुरत है आत्म-विश्वास की। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने युवाओं से कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर रोडमेप बनाएँ और उस पर ईमानदारी से चलें। अपने आपको आत्म-विश्वास से भर लो। इंटर्नशिप का कार्य साधारण तरीके से न लें। हर इंटर्न्स को ३-४ पंचायतें आवंटित की जाएंगी जिन्हें बदल कर दिखा दो। कलेक्टर को फील्ड में जो ट्रेनिंग दी जाती है, वही ट्रेनिंग आपको दी जा रही है। इससे आपके व्यक्तित्व का विकास होगा और आत्म-विश्वास बढ़ेगा। सबको समान मान कर कार्य करें। कभी घमंड न करें, विनम्रता के साथ क्षेत्र में जाएं। प्रदेश के विकास में बदलाव लाना है, इसमें जो बाधाएँ आएँ, उनका धैर्य पूर्वक सामना करें। आप युवा हैं बड़ा काम वही कर सकता है जो धैर्य रखकर रास्ता निकालने की कोशिश करे।

कोर्ट से बाहर आते हुए क्यों मुस्कुराती दिखी राखी सावंत

पति संग अपने केस को लेकर क्या बोली एक्ट्रेस?

नई दिल्ली : टीवी दुनिया की कँट्रोवर्सी क्वीन 'राखी सावंत' बीते कुछ महीनो से अशांत नज़र आ रही हैं। ये महीने उनकी ज़िन्दगी में कुछ खास ख़ुशी लेट नज़र नहीं आ रहे हैं जहाँ एक और कुछ वक्त पहले ही राखी ने अपनी माँ को सदा के लिए खो दिया तो वही बाद में पति आदिल संग भी उनके रिश्ते में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले और बात इस हद्द तक पहुँच गयी की राखी को उनसे तलाक तक लेने की नौबत आन पड़ी।

जहाँ राखी को अबतक सिफ मीडिया के कैमरो में रोता हुआ ही कैद्द किया गया तो, काफी समय के बाद आज राखी के चेहरे पर मुस्कान की एक हलकी सी झलक देखने को मिली। पिछले दिनों एक्ट्रेस ने अपने पति आदिल खान दुर्रानी के खिलाफ घरेलू मामलो को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने आदिल को गिरफ्तार तक कर लिया था। फिलहाल आदिल न्यायिक हिरासत में हैं वह उनसे पूछ-ताछ का सिलसिला जारी हैं।

लेकिन आज राखी और आदिल के केस की कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसके बाद जब राखी को कोर्ट से बाहर आते हुए स्पॉट किया गया तो एक्ट्रेस काफी दिनों बाद चेहरे पर पहले जैसी मुस्कुराहट वापिस लिये नज़र आयी। आखिर कोर्ट में ऐसा क्या हुआ जिसने राखी की खुशियां फिर लौटा दी।

राखी सावंत का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी तेज़ी से वायरल होता नज़र आ रहा हैं। इस वीडियो को मशहूर पैपराजी विरल भयानी के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट द्वारा साझा किया गया है। इसमें राखी सावंत अपनी वकील के साथ कोर्ट परिसर के बाहर खड़ी नजर आ रही हैं जिस दौरान वह पैपराजी के कैमरा में कैद्द हो जाती हैं। तभी पैपराजी ने जब राखी से पूछा कि आज क्या हुआ? इस सवाल पर राखी कहती हैं, 'बहस के अलावा क्या होगा?' जब पैपराजी ने पूछा, 'क्या बहस हुई?' इस पर राखी ने कहा, 'मैं फिल्मों में देखती हूं हमेशा कोर्ट-कचहरी। आज रियल देख रही हूं। अपना केस खुद लड़ने का दिल कर रहा है।'

प्राकृतिक जड़ी-बूटियां देगी स्लीप डिसऑर्डर से छुटकारा

नींद आपके शरीर को ठीक करने का प्राकृतिक तरीका है। अच्छी गुणवत्ता वाली नींद लेना बहुत जरूरी है। आराम करने के लिए आपको ७ से ९ घंटे की नींद चाहिए। लेकिन कभी-कभी अच्छी नींद लेना मुश्किल हो सकता है।

रात की आरामदायक नींद के लिए प्राकृतिक जड़ी-बूटियों में शक्तिशाली नींद बढ़ाने वाले गुण होते हैं। वे आपकी नसों को शांत कर सकते हैं और आपकी इंद्रियों को शांत कर सकते हैं और आपको पर्याप्त नींद दे सकते हैं। व्यस्त जीवनशैली, चिंता और तनाव के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती है। तनाव न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पादन को प्रभावित करता है। लेकिन कुछ हर्बल सप्लीमेंट्स लेने से इस नुकसान की भरपाई की जा सकती है। ट्रिप्टोफैन में कुछ प्राकृतिक जड़ी-बूटियाँ अधिक होती हैं। एक एमिनो एसिड जो सेरोटोनिन फ़ंक्शन में सुधार करता है। सेरोटोनिन का स्तर बढ़ने से रासायनिक असंतुलन कम हो जाता है। जो सबसे आम नींद विकार, अनिद्रा की ओर जाता है।

सर्वश्रेष्ठ जड़ी-बूटियाँ:

लैवेंडर : लैवेंडर के एंटी-डिप्रेसेंट, शामक और शांत करने वाले गुण आपको बेहतर नींद में मदद करते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि लैवेंडर जड़ी बूटी राहत प्रदान कर सकती है। यह चिंता के स्तर को कम कर सकता है और मूड विकारों को स्थिर करने की शक्ति रखता है। कम तनाव, चिंता और एक सकारात्मक मनोदशा दिन के समय सतर्कता और रात में अधिक आरामदायक नींद को बढ़ावा देती है। आमतौर पर लैवेंडर का इस्तेमाल स्प्रे या इनहेलर के जरिए किया जाता है।

कैमोमाइल : कैमोमाइल एक प्राचीन जड़ी बूटी है जो अपने आराम प्रभाव के लिए जानी जाती है। आधुनिक अध्ययन कैमोमाइल की प्रभावशीलता को साबित करते हैं। यह चिंता कम करता है। आपकी नसों को शांत करता है और अनिद्रा को कम करता है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं ने जन्म दिया, उन्हें सोने में परेशानी हुई। उन्होंने दो सप्ताह तक रात में कैमोमाइल चाय पी, जिसके परिणामस्वरूप कम नींद की समस्या और कम अवसाद हुआ। कैमोमाइल चाय में तंत्रिका-सुखदायक फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो इसे एक लोकप्रिय पेय बनाते हैं। आप इसे सूंघ कर भी कैमोमाइल के सुखदायक प्रभाव को महसूस कर सकते हैं।

वेलेरियन : वेलेरियन जड़ी बूटी की जड़ का उपयोग अक्सर रोगियों में अनिद्रा, बेचैनी और चिंता के इलाज के लिए किया जाता है। वेलेरियन रूट में मौजूद वैलेरेनिक एसिड न्यूरोट्रांसमीटर ऋ-इ- के टूटने को रोकता है। इससे बेहतर गुणवत्ता वाली नींद आती है। वेलेरियन चिंता-विरोधी दवाओं के सिद्धांतों पर काम करता है। गहरी नींद को बढ़ावा देता है। वेलेरियन दुकानों में उपलब्ध है और आमतौर पर टैबलेट के रूप में आता है।

पैशनफ्लावर : पैशनफ्लावर में नर्व-शांत फ्लेवोनॉयड्स होते हैं, जो तनाव को कम करने और बेहतर नींद लेने में आपकी मदद करते हैं। इस उष्णकटिबंधीय फूल का एक अच्छा स्वाद है और आमतौर पर कई हर्बल, ओवर-द-काउंटर शामक में उपयोग किया जाता है।

अश्वगंधा : अश्वगंधा अनिद्रा के इलाज के लिए आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली जड़ी-बूटी है। अध्ययनों से पता चला है कि यह नींद की मात्रा बढ़ाने और आराम की गुणवत्ता में सुधार करने में प्रभावी है। अश्वगंधा के सच्चे नींद बढ़ाने वाले यौगिक इस पौधे की पत्तियों में पाए जाते हैं। ट्राइथिलीन ग्लाइकोल तनाव या चिंता को दूर करने में मदद करता है, शांति पैदा करता है और आपको आसानी से सो जाने में मदद करता है। अश्वगंधा अंततः शामक के रूप में कार्य करता है। इसलिए यह चिंता-विरोधी दवाओं या ओटीसी स्लीप एड्स का एक बढ़िया विकल्प है। यह आपके शरीर की नींद की आदतों को स्वाभाविक रूप से सुधारने का काम करता है।

क्या आप लगातार ईयरफोन लगाकर संगीत सुन रहे हैं?

आजकल ज्यादातर लोग हेडफोन का इस्तेमाल आसपास के शोर को रोकने या फैशनेबल दिखने के लिए करते हैं। ऑफिस या कॉलेज जाते समय, यात्रा करते समय, या यहां तक कि कुछ काम करते समय हेडफोन या ईयरफोन हर व्यक्ति के साथी होते हैं।

हेडफोन : हालांकि यह सच है कि ईयरमफ्स बाहरी शोर से बचाते हैं, लेकिन ज्यादा इस्तेमाल कानों के लिए हानिकारक हो सकता है, क्या आप जानते हैं? अगर आप भी घंटों हेडफोन का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाएं। क्योंकि इसके ज्यादा इस्तेमाल से न केवल कानों पर बुरा प्रभाव पड़ता है बल्कि शरीर को गंभीर नुकसान भी हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक ईयरफोन या हेडफोन शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं, यह एक बुरी लत है। ईयरफ़ोन का शोर आपके कान के परदे को नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे स्थायी क्षति हो सकती है।

पिछले १० वर्षों में, पोर्टेबल इयरफ़ोन के माध्यम से उच्च मात्रा में संगीत सुनने से कई प्रभाव देखे गए हैं। यह एक चिंता का विषय है कि लोग घंटों तक हेडफोन से चिपके रहते हैं।

हेडफोन या ईयरफोन के ज्यादा इस्तेमाल के साइड इफेक्ट

१) **बहरापन :** ईयरफोन या हेडफोन के साथ तेज आवाज में संगीत सुनने से आपकी सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। कानों की सुनने की क्षमता केवल ९० डेसिबल होती है, जिसे लगातार सुनने से ४०-५० डेसिबल तक कम किया जा सकता है।

२) **हृदय रोग का खतरा :** विशेषज्ञों की मानें तो घंटों हेडफोन लगाकर गाने सुनना कानों के साथ-साथ दिल के लिए भी अच्छा नहीं है। इससे दिल तेजी से धड़कता है, और दिल को गंभीर नुकसान हो सकता है।

३) **सिरदर्द :** हेडफोन या ईयरफोन से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्रेटिक तरंगें दिमाग पर बुरा असर डालती हैं। यह सिरदर्द और माइग्रेन का कारण बनता है। बहुत से लोग सोने में परेशानी, अनिद्रा, अनिद्रा या यहाँ तक कि स्लीप एपनिया से पीड़ित हैं।

४) **कान का संक्रमण :** ईयरफोन को सीधे कान में लगाया जाता है, जो वायुमार्ग को बाधित करता है। इस रुकावट से बैक्टीरिया के अतिवृद्धि सहित विभिन्न प्रकार के संक्रमण हो सकते हैं।

५) **तनाव और तनाव में वृद्धि :** हेडफोन का लंबे समय तक इस्तेमाल व्यक्ति के सामाजिक जीवन और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इससे तनाव और चिंता बढ़ सकती है।

कैसे बचाएं?

अगर आप भी कान की समस्या से बचना चाहते हैं तो जरूरत पड़ने पर ही ईयरफोन या हेडफोन का इस्तेमाल करें। दिन में ६० मिनट से ज्यादा ईयरफोन का इस्तेमाल न करें। यह खतरनाक हो सकता है।

आप भी नाश्ते में चाय के साथ परांठे खाते हैं?

हम सुबह उठते ही पेट भरने के लिए सबसे पहले नाश्ता करते हैं। आमतौर पर हम नाश्ते में पोहे, शीरा, उपमा या इडली, डोसा खाते हैं; लेकिन प्राय: यह सब काम पर सुबह की भागदौड़ में करना संभव नहीं हो पाता।

डॉक्टरों के अनुसार, दिन की शुरुआत भरपूर नाश्ते के साथ, उसके बाद लंच और हल्का डिनर आपको स्वस्थ रहने में मदद करेगा।

आजकल हर कोई जल्दी में है ऐसे समय में बहुत से लोग सुबह उठकर नाश्ता नहीं कर पाते हैं। कुछ लोग जल्दी में बाहर जाते समय कुछ खाने के लिए तैयार खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं। लेकिन कई घरों में आज भी नाश्ते में गरमागरम पराठा और चाय का ही इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सुबह नाश्ते में चाय पराठा खाना कितना सही है?

आहार विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार नाश्ते में चाय और पराठा बहुत स्वस्थ विकल्प नहीं है। अगर आप चाय के साथ चपाती खाते हैं तो इनसे आपको मिलने वाले पोषक तत्व बहुत कम होते हैं।

सुबह उठने के बाद सुबह के नाश्ते से भरपूर एनर्जी मिलना जरूरी है। नाश्ते से भरपूर कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन लेना जरूरी है। यह आवश्यकता चाय और पराठे से पूरी नहीं होती। चाय पराठा विकल्प आवश्यक कार्बोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।

गलत संयोजन

चूंकि चाय एक कैफीनयुक्त पेय है, यह दिन की शुरुआत करने का एक स्वस्थ तरीका नहीं है। चाय के साथ कोई भी खाना लेना सेहत के लिए खतरनाक होता है। साथ ही चाय पराठे के इस कॉम्बिनेशन से मिलने वाला आयरन और कैल्शियम शरीर में पर्याप्त मात्रा में अवशोषित नहीं हो पाता है। नतीजतन, इस नाश्ते के विकल्प से शरीर को कोई ऊर्जा और पोषक तत्व नहीं मिलते हैं।

नाश्ते के लिए स्वस्थ विकल्प क्या हैं?

चाय और पराठा एक त्वरित विकल्प की तरह लग सकते हैं लेकिन बहुत उपयोगी नहीं हैं इसलिए इसके बजाय सब्जी चपाती या दही चपाती, अंडा, दूध, पनीर शामिल करें। इसके साथ ही कार्बोहाइड्रेट पाने के लिए दलिया या सूजी के व्यंजन जैसे उपमा, अप्पम भी डालें। इडली सांबर नाश्ते के लिए एक बेहतरीन और परफेक्ट विकल्प है।

नसों में मौजूद गंदे खून को साफ करती हैं ये चीजें

लो ब्लड काउंट होना आज के समय में एक आम समस्या है. लाल रक्त कोशिकाओं की गिनती कम होने पर शरीर में खून की मात्रा कम होने लगती है. किसी भी व्यक्ति के शरीर में हर दिन लाखों लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन होता है. शरीर में ब्लड काउंट कम होने पर व्यक्ति को थकान महसूस होती है. ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें खाने से शरीर में ब्लड काउंट बढ़ता है.

स्वस्थ और फिट रहने के लिए जरूरी है कि आपका खून भी हेल्दी रहे. खून को हेल्दी रखने के लिए जरूरी है कि हमारी लाइफस्टाइल कैसी है और हम क्या खाते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब आप अपनी डाइट में आयरन, विटामिन सी और बाकी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करते हैं तो इससे लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ने लगता है और पूरे शरीर में ब्लड का फ्लो सही रहता है. ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें खाने से आपका खून स्वस्थ रहता है और आपको खून से संबंधित किसी भी तरह की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता.

हरी सब्जियां- हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे ब्रोकोली और पालक में कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं. यह शरीर में खून बढ़ाने के साथ ही उसे स्वस्थ रखने में भी मदद करती हैं.

टमाटर- टमाटर में विटामिन सी के साथ आयरन भी होता है जो कि ब्लड फ्लो को सुधारने का काम करता है. खून को हेल्दी बनाए रखने के लिए और सर्कुलेशन को बढ़ाने के लिए विटामिन सी और आयरन साथ में मिलकर अच्छा काम करते हैं.

लहसुन- ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ाने के लिए लहसुन काफी फायदमंद साबित होता है. लहसुन में एलिसिन होता है जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने का काम करता है.

खट्टे फल- खट्टे फलों का सेवन करने से शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन सही तरीके से हो पाता है. खट्टे फल शरीर में खून के सर्कुलेशन को बूस्ट करते हैं और ब्लड क्लॉटिंग से बचाते हैं. इसके अलावा यह शरीर में सूजन और जलन को कम करते हैं.

गाजर- गाजर शरीर में खून को बढ़ाने में मदद करती है. रोजाना गाजर का सेवन करने से शरीर में प्राकृतिक रूप से आयरन का लेवल बढ़ने लगता है. इसके अलावा गाजर का जूस पीने से ब्लड काउंट का लेवल भी बढ़ता है.

बीन्स- बीन्स और दालें शरीर में खून बनाने का काम करती हैं. इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इनमें ना सिर्फ सिर्फ आयरन होता है बल्कि फोलिक एसिड भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है.

लाख कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रहा कोलेस्ट्रॉल लेवल?

आमतौर पर हमारे शरीर में दो तरह का कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है. जिसे गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है. गुड कोलेस्ट्रॉल खून में जमने वाले फैट को कम करने में मदद करता है और हमारी धमनियों को साफ रखता है ताकी दिल तक खून का प्रवाह सही तरह से हो सके. वहीं, बैड कोल्स्ट्रॉल को खतरनाक माना जाता है.

कोलेस्ट्रॉल हमारे खून में मौजूद एक वैक्स जैसा पदार्थ होता है. कोलेस्ट्रॉल का लेवल २०० से ज्यादा होने पर हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या का सामना करना पड़ता है. हमारे खून में दो तरह का कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है, गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल. बैड कोलेस्ट्रॉल को काफी खतरनाक माना जाता है. धमनियों में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर दिल तक खून सही मात्रा में नहीं पहुंच पाता जिस कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक आदि का खतरा बढ़ जाता है. शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा का पता आप ब्लड टेस्ट के जरिए लगा सकते हैं. हाई कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने के लिए हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल को जरूरी माना जाता है. लेकिन कई बार हेल्दी डाइट और लाइफस्टाइल फॉलो करने के बावजूद भी लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल कम नहीं हो पाता. इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं -

आपकी डाइट में छिपे हो सकते हैं खतरनाक फैट्स- कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए हेल्दी डाइट को काफी जरूरी माना जाता है. अक्सर लोग हेल्दी डाइट उसे मानते हैं जिसमें बिल्कुल भी फैट ना हो. लेकिन डॉक्टर्स का मानना है कि अनसैचुरेटेड फैट और लिक्विड फैट सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं और सैचुरेटेड फैट शरीर के लिए नुकसानदायक साबित होते हैं. इसके अलावा एक और फैट होता है जिसे ट्रांस फैट कहा जाता है और इस फैट पर लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते .

कैंसर को मात देने के लिए संकल्पित वैज्ञानिक

जनमानस में कैंसर रोग के प्रति अच्छी धारणा नहीं है। इस शब्द को सुनते ही रोगी अपने जीवन की उल्टी गिनती गिनना आरंभ कर देता है तथा परिजन अपने आपको असहाय समझने लगते है। चिकित्सा के क्षेत्र में भारत सहित विश्व में बहुत प्रगति हुई है। नई-नई जांच एवं उपचार पद्धतियां, कारगर औषधियां आज उपलब्ध हैं, जो ना सिर्फ इस रोग से निजात दिलाने में सक्षम है अपितु अन्य कई घातक बीमारियों से मनुष्य को मुक्ति दिलाती हैं। सर्त यही है आरंभिक स्तर पर ही जांच करा कर विशेषज्ञ चिकित्सक से इलाज कराया जाय। कैंसर एक ऐसा रोग है जिसमें शरीर की सामान्य कोशिकाएं असामान्य कोशिकाओं में रूपांतरित होकर अनियंत्रित रूप से वृद्धि करती रहती हैं। यदि इन कोशिकाओं को आरंभिक स्तर पर जांच उपरांत नष्ट ना किया जाए तो फिर यह कोशिकाएं चलाये- मान होकर अन्य अंगों में पहुंचकर भी वहां की कोशिकाओं को अनियंत्रित रूप से विभाजित करने के लिए प्रेरित करती हैं और उसकी सामान्य क्रियाविधि को समाप्त कर देती है।

चिकित्सा विज्ञान में सामान्य रूप से लोगों को दो श्रेणियों में रखा जाता है एक वे रोग जो संक्रामक होते हैं, एक मनुष्य दूसरे मनुष्य में पहुंचते हैं तथा दूसरे वे रोग जो संक्रामक नहीं होते हैं। कैंसर एक प्रकार का असंक्रामक रोग है। इसे हम गैर संचारी रोग भी कहते हैं। गैर संचारी रोग से भारत में होने वाली मौतें काफी अधिक है।भारत में बिमारियों से होने वाली मृत्यु में इन बीमारियों की भागीदारी ६०% तक है। यही एक चिंता और चिंतन का विषय है। इन रोगों में प्रमुख रूप से कार्डियोवैस्कुलर रोग (४५%), जटिल श्वास रोग (२२%), कैंसर (१२%), मधुमेह (३.१%) आदि प्रमुख हैं। कृष्णन एवं उनके साथियों के शोध निष्कर्ष के अनुसार (इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च २०२२) भारत में कैंसर की क्रूड दर १००.४/लाख रही है। अर्थात नो में से एक व्यक्ति अपने जीवन काल में कभी ना कभी कैंसर का सामना करता है। अप्राकृतिक जीवन शैली, मिलावटी भोजन, प्रदूषण, नशीले पदार्थों के सेवन के साथ समय पर उचित इलाज न कराने की प्रवृत्ति ने इस रोग को फलफूलने का मौका दिया है।

कैंसर बीमारी के संबंध में जो प्राथमिकताएं तय की जाना चाहिएं उनमें मुख्य नजर आती हैं-(१) कैंसर रोग के प्रभावी एवं जटिल होने से रोगी पर पड़ने वाले आर्थिक भार को कैसे कम किया जाए। (२) कैंसर की जांच एवं उपचार को जनसामान्य की पहुंच में कैसे लाया जाए। (३) कैंसर के रोगियों की मूल्य आधारित देखभाल कैसे की जाए। (४) कैंसर के इलाज की क्वालिटी में सुधार के साथ-साथ शोध को बढ़ावा कैसे दिया जाए। (५) उपलब्ध तकनीकों को कैंसर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए अधिक से अधिक लाभकारी कैसे बनाया जाए। (६) कैंसर रोगियों को और उनके परिवार वालों को मानसिक बल कैसे प्रदान किया जाए, कैसे भरोसा दिलाया जाय की भारत में भी इस रोग का विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध है और रोगी को सही समय पर आरंभ किए गए इलाज से बचाया जा सकता है।

आज भारत सहित विश्व के विभिन्न चिकित्सा वैज्ञानिक इस रोग के निदान के लिए दिन रात लगे हुए हैं। बहुत कुछ उन्होंने सफलता भी पाई है। नई विधियां और तकनीक

कारगर सिद्ध होती नजर आ रही है उनमें प्रमुख हैं -

(१) फ्लैश रेडियोथैरेपी- इसमें ना तो रोगी को दर्द होता है और ना ही स्वस्थ कोशिकाएं नष्ट होती हैं। इस विधि से केवल कैंसर कोशिकाओं को ही मारा जाता है यही इस विधि की विशेषता है।

(२) जीन एडिटिंग तकनीक- इसके माध्यम से रोगी मैं ऐसे जीन को प्रवेश कराया जाता है जो प्रतिरोधी कोशिकाओं को सचेत कर सही समय में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए आदेशित करता है ।

(३)जीन थेरेपी (कार- टी थेरेपी) कायमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स के द्वारा ही इम्यून तंत्र की टी-कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए तैयार किया जाता है।

(४)विद्युत प्रवाह तकनीक- इस विधि के द्वारा कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को विधुत प्रवाह द्वारा प्रभावित करके रोका जाता है।

(५) वैक्सीनेशन- सरविक्स कैंसर इलाज के लिए भारत में वैक्सीन तैयार कर लिया गया है जो बहुत ही शीघ्र मार्केट में इलाज हेतु उपलब्ध हो सकेगा। अन्य प्रकार के कैंसर के लिए टीके तैयार करने पर शोध चल रहा है।

(६) उर्जा बाधा- वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि कैंसर कोशिकाओं को वृद्धि और विभाजन के लिए जरूरी आवश्यक ऊर्जा की सप्लाई को बाधित कर अनियंत्रित वृद्धि को रोका जा सके।

(७) अभियांत्रिकी द्वारा प्रतिरोधी कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए तैयार किया जा रहा है।

(७) वैज्ञानिक ऐसे प्रोटीन को पता लगाने में सफल हो गए हैं जो मेटास्टैटिक अवस्था का नियमन करती है। इन्हें नल-केन कहते हैं। इसे महत्वपूर्ण शोध कहा जा सकता है।

(८) शोध इस दिशा में सफल हुआ है कि भविष्य कुछ प्रकार के कैंसर को मल की जांच द्वारा ही पहचाना जा सकेगा तथा रोगी का रक्त परीक्षण यह बताने में भी सक्षम होगा की रोगी के इलाज में रेडियो थेरेपी कारगर होगी या नहीं? नैनोटेक्नोलॉजी के माध्यम से दवाओं की कैंसर कोशिका मारक क्षमता बढ़ाई जा रही है। एम आर ई गाइडेड रेडियो थैरेपी, फोकल थेरपी, इम्यूनो थैरेपी, रैडियेसन थैरेपी - सर्जरी, कीमोथेरेपी तथा दवाओं के साथ पहले से ही प्रचलन में है, उन्हें और कारगर बनाया जा रहा है।

शोध का लक्ष्य यह पता लगाना भी है कि कैंसर कोशिकाएं प्रतिरक्षा प्रणाली से कैसे बच जाती हैं? तथा उपचार के दौरान प्रतिरोधी व्यवहार कैसे अपनाने लगती हैं? यह कैसे पता लगाया जाय की किस कोशिका को प्रारंभिक अवस्था में उपचार की आवश्यकता है तथा किन कोशिकाओं को निरीक्षण पर छोड़ा जा सकता है? आक्रामक एवं धीमी गति से बढ़ने वाली कोशिकाओं के अंतर को कैसे समझा जाय? कैंसर कोशिकाओं को अपना असर दिखाने के पूर्व कैसे पहिचाना जाय?

निष्कर्ष यही निकलता है कि वैज्ञानिक एवं चिकित्सक अपना दायित्व निभा रहे। उनकी शोध की सफलताओं को देखते हुए आने वाले समय में इसे न सिर्फ वैक्सीन की मदद से रोका जा सकेगा अपितु उसे पूरी तरह से असाध्य से साधय रोगों की श्रेणी में भी लाया जा सकेगा। तब तक अब आगे बढ़कर सहयोग के साथ प्रतिबद्धता एवं समर्पण की आवश्यकता है- स्वयं सेवी संस्थाओं से, गैरसरकारी संगठनों से एवं चिकित्सा संस्थानों से, नीति निर्धारण करने वालों से, सरकारी तंत्र से। इस रोग से मुक्ति का सफल मंत्र जो नज़र आता है वह है जांच करा कर रोग को आरंभिक अवस्था में पकड़ना। अतः जनसामान्य में प्रचारित किया जाय की समय पर जांच अवश्य करावाए, कैंसर होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से इलाज कराये, घबराए बिल्कुल नहीं।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आंत स्वस्थ रखना जरूरी

ट्रांस फैट एक ऐसा फैट है जिसका इस्तेमाल आजकल सभी चीजों में किया जाता है. इसे काफी अनहेल्दी माना जाता है . ऐसे में जरूरी है कि आप ऐसी चीजों का सेवन बिल्कुल भी ना करें जिसमें सैचुरेटेड और ट्रांस फैट मौजूद होता है.

डाइट का सही ना होना- अक्सर लोग कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने के लिए हेल्दी डाइट लेते हैं लेकिन कई बार ये डाइट कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं होती. डॉक्टर्स का कहना है कि जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल हाई होता है उन्हें कीटो डाइट नहीं करनी चाहिए. एक अच्छी डाइट के लिए जरूरी है कि आप डॉक्टर्स से संपर्क करें.

आपका कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट प्लान हेल्दी ना होना- सिर्फ जीरो

फैट डाइट और ऑर्गेनिक सब्जियों का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम नहीं किया जा सकता है. इसके लिए पूरी प्लानिंग की जरूरत पडती है. इसके लिए जरूरी है कि आप अपने शरीर को एक्टिव रखें और दवाइयों का सावधानी से सेवन करें.

फिजिकली एक्टिव ना होना- कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने के लिए डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ ही फिजिकल एक्टिविटीज भी काफी ज्यादा जरूरी मानी जाती हैं. कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने से लिए रोजाना कम से कम ३० मिनट वॉक जरूर करें.

शराब का सेवन करना- शराब का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल पर काफी बुरा असर पडता है. अगर आप रोजाना कोलेस्ट्रॉल की दवाइयां खा रहे हैं और शराब भी पीते हैं तो दवाइयों का आपके शरीर पर कोई असर नहीं पडेगा. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, १ दिन में सिर्फ २ ड्रिंक ही पीनी चाहिए.

दवाइयों की सही डोज ना लेना- कोलेस्ट्रॉल लेवल कम ना होने का एक और मुख्य कारण दवाइयों की सही डोज ना लेना भी है. जरूरी है कि आप अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराएं और रिपोर्ट को डॉक्टर्स को दिखाएं. डॉक्टर्स की ओर से दी गई दवाइयों का सही समय और मात्रा में सेवन करें.

विशेष नोट : यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।

प्लेयर ऑफ द मंथ बने शुभमन गिल

पिछले महीने लगाए थे ४ शतक

नई दिल्ली : भारतीय टीम के उभरते सितारे शुभमन गिल अब नंबर-१ बल्लेबाज बन गए हैं। जी हां, आपने सही सुना। गिल को उनके प्रदर्शन के लिए आईसीसी ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मंथ चुना हैं। पिछला महिला उनके लिए शानदार रहा। उन्होंने दो टीमों के खिलाफ ४ शतक लगाए और साथ ही साथ एक शतक को दोहरे शतक में तब्दील भी किया। उन्होंने न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और अपने साथी खिलाड़ी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इस रेस में पीछे छोड़ यह उपलब्धि हासिल की।

दरअसल आईसीसी हर महीने खिलाड़ियों की एक लिस्ट जारी करता है, जिसमें वो बताता है कि पिछले महीने का सबसे बेहतर खिलाड़ी कौन रहा। वहीं पिछले महीने गिल ने भारत की तरफ से खेलते हुए वनडे क्रिकेट में जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया, उसके बाद जब न्यूजीलैंड मेहमान बनकर भारत के खिलाफ खेलने आया तो इस खिलाड़ी ने मेहमाननवाजी में कोई कसर नहीं छोड़ी। ३ वनडे मुकाबले की सीरीज में गिल ने २ में शतक लगाया, जिसमें एक में उन्होंने २०८ रन बना दिए। वहीं पूरे सीरीज की बात करें तो गिल ने ३ मैचों में कुल ३६० रन बनाए और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी की। बाबर ने भी २०१६-१७ के सत्र में हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ ३ वनडे मैचों की सीरीज में ३६० रन बनाए थे।

वहीं गिल ने वनडे के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टी२० सीरीज के अंतिम और निर्णायक मुकाबला में भी आतिशी पारी खेलते हुए शतक लगाया था और भारतीय टीम आसानी से एक और सीरीज अपने नाम करवाने में मदद की थी। वहीं शतक के साथ ही वो भारत के पांचवें खिलाड़ी बन गए, जोकि क्रिकेट में तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगा चुके है। पिछले महीने जब भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर दो टेस्ट मैच का सीरीज खेल रही थी, तब गिल ने अपना पहला टेस्ट शतक लगाया था। वहीं २३ साल का यह खिलाड़ी लगातार एक नया कीर्तिमान हासिल करता जा रहा हैं।

वहीं आपकी जानकारी के लिए बता दें कि गिल वर्तमान में भी भारतीय टीम में शामिल हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों का बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेल रही हैं। पहले मुकाबले में उन्हें मौका नहीं मिला था, मगर उपकप्तान केएल राहुल के लगातार फ्लॉप साबित होता देख कप्तान रोहित शर्मा उनकी जगह पर गिल को एक मौका दे सकते हैं। हालांकि राहुल के फ्लॉप होने के बावजूद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक इनिंग और १३२ रन से हरा दिया था और सीरीज में १-० की लीड ले ली थी। वहीं दूसरा मुकाबला १७ तारीख से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना हैं।

स्मृति मंधाना के लिए कल रहा ऐतिहासिक पल

कुल ८७ खिलाड़ियों को टीम में मिली जगह

नई दिल्ली : सोमवार का दिन महिला क्रिकेटरों के नाम रहा, जहां ८७ खिलाड़ियों को पहली बार होने वाले विमेंस प्रीमियर लीग के लिए ५ अलग-अलग टीमों ने खरीदा हैं। डब्ल्युपीएल का पहला सत्र अगले महीने यानी की ४ मार्च से शुरू होने जा रहा है, जिसमें आईपीएल जैसा ही रोमांच दिखने वाला हैं। वहीं कल हुए ऑक्सन में जिस खिलाड़ी के लिए फेंचाइजियों के बीच सबसे ज्यादा लड़ाई देखने को मिली वो थी हमारी भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जिनके ऊपर सबसे ज्यादा की बोली लगी और आरसीबी उन्हें अंत में ३.४० करोड़ में खरीदा। वहीं भारत महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर उम्मीद से कम खर्च होते दिखे। उन्हें मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में १.८ करोड़ रुपए में खरीदा।

कल के ऑक्शन में जहां स्मृति मंधाना थझङ की सबसे महंगी खिलाड़ी रही तो वहीं विदेशी खिलाड़ियों का भी बोलबाला रहा। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एशले गार्डनर को गुजरात जाएंट्स ने और

इंग्लैंड की कप्तान नताले स्टीवर को मुंबई इंडियंस ने ३.२ करोड़ में अपनी-अपनी टीम में शामिल किया है और इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी को ठउइ ने १.७ करोड़ में खरीदा हैं।सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने १.८ करोड़ में और ओमिला केर को मुंबई इंडियंस ने १ करोड़ में खरीदा हैं। वहीं मारिजेन कैप्प को दिल्ली कैपिटल्स ने १.५ करोड़ में खरीदा हैं।

बल्लेबाजों की लिस्ट की तरफ नजर डालें तो भारत की तरफ से स्मृति मंधाना के अलावा जेमिमाह रोड्रिगेज और शेफाली वर्मा को दिल्ली कैपिटल्स ने क्रमश २.२ करोड़ और २ करोड़ में अपनी टीम में लिया हैं। वहीं श्वेता सेहरावत और किरण नागरे को यूपी वॉरियर्स ने क्रमश ४० और ३० लाख में खरीद कर अपनी टीम में जोड़ा है। इसके अलावा सबनैनी मेघना को गुजरात ने उनके बेस प्राइज ३० लाख में, धारा गुज्जर को मुंबई ने उनके बेस प्राइज १० लाख में, दिशा कसत को आरसीबी ने १० लाख में स्नेहा दिप्ती को दिल्ली ने उनके बेस प्राइज ३० लाख पर खरीदा हैं। गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर भारती की रेणुका सिंह हैं, जिन्हें आरसीबी ने १.५ करोड़ में खरीदा हैं। इसके अलावा शबमिम इस्माइल को यूपी वॉरियर्स ने १ करोड़ में खरीदा हैं। वहीं राजेश्वरी गायकवाड़ को भी यूपी ने उनके बेस प्राइज ४० लाख पर खरीदा हैं।

ऑलराउंडर की बात करें तो हरमनप्रीत कौर इसमें सबसे ऊपर हैं, जिसे मुंबई की टीम ने १.८ करोड़ में खरीदा हैं। वहीं दीप्ति शर्मा को यूपी ने २.६ करोड़ में खरीदा हैं। वहीं पूजा वस्त्राकर को मुंबई ने १.९ करोड़ में खरीदा हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में यास्तिका भाटिया को मुंबई ने १.५ करोड़ में और ऋचा घोष को बैंगलोर ने १.९ करोड़ में खरीद अपनी टीम में जगह दी हैं। वहीं इस लिस्ट विदेशी खिलाड़ी बेथ मूनी को गुजरात ने २ करोड़ में और एलिसा हर्ले को यूपी ने ७० लाख में खरीद कर अपनी टीम में जगह दी हैं।

दुबई चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही हारीं सानिया

छह ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ किया करियर का अंत

दुबई : भारत की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को उनके आखिरी टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा है। सानिया को दुबई ड्यूटी फी टेनिस चैंपियनशिप में महिला डबल्स के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा।

यूएस की मेडिसन कीज के साथ महिला डबल्स इवेंट में कोर्ट में उतरीं सानिया को कुदरमेतोवा और सैमसोनोवा की जोड़ी ने लगातार सेटों में ६-४, ६-० से हराया। इस तरह सानिया के २० साल लंबे करियर का अंत हो गया।

सानिया ने इसी साल १३ जनवरी को तीन पेज का नोट लिखकर बताया था कि ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद दुबई चैंपियनशिप उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। हालांकि, उन्हें अपने आखिरी टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सानिया ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में रोहन बोपन्ना के साथ फाइनल तक पहुंची थीं।

सानिया मिर्जा को अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में हार का सामना करना पड़ा था। मिक्स्ड डबल्स के फाइनल में सानिया और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ६-७, ६-२ के अंतर से हार गई। वह महिला डबल्स में दूसरे दौर में ही हारकर बाहर हो गईं थीं और मिक्स्ड डबल्स में फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही सानिया का विजयी विदाई लेने का सपना टूट गया था।

कैसा रहा सानिया का करियर

सानिया ने अपने करियर में ४३ डबल्यूटीए खिताब जीते। उन्होंने महिला डबल्स कैटेगरी में तीन ग्रैंड स्लैम भी अपने नाम किए। २०१६ में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी महिला युगल चैंपियन बनीं थीं। सानिया ने मिक्स्ड डबल्स में भी तीन ग्रैंड स्लैम जीते हैं। २००९ में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में इस श्रेणी में खिताब जीती थीं। सानिया लंबे समय तक महिला युगल रैंकिंग में पहले स्थान पर रहीं। हालांकि, अपने करियर के आखिरी ग्रैंड स्लैम में वह जीत से एक कदम दूर रह गईं। अब उनके करियर का सुखद अंत नहीं हो पाया। अब वह महिला आईपीएल या यूं कहें विमेंस प्रीमियर लीग में दिखेंगी। सानिया को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मेंटर बनाया है।

सेमीफाइनल में चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा भारत

केप टाउन : दक्षिण अफीका में चल रहे महिला टी२० विश्व कप टूर्नामेंट में इस ग्रुप के आखिरी मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को ११४ रन से करारी शिकस्त दी। इंग्लिश टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी। पाकिस्तान के खिलाफ टी२० अंतिम चार के मुकाबले से पहले एक वॉर्म अप मैच जैसा साबित हुआ। ग्रुप-ए से डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम चार में से चारों मुकाबले जीतकर आठ अंक के साथ शीर्ष पर है। उसका नेट रन रेट +२.१४९ है। हालांकि, इस ग्रुप से दूसरी टीम पर अब तक मुहर नहीं लग सका है। ऑस्ट्रेलिया के पोजिशन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उसके आठ अंक की बराबरी न्यूजीलैंड और दक्षिण अफीका में से कोई टीम नहीं कर सकता। यानी भारत का सेमीफाइनल में सामना वर्ल्ड चैंपियंस ऑस्ट्रेलिया से होगा। दरअसल, सेमीफाइनल में ग्रुप-ए पर शीर्ष पर रहने वाली टीम का मुकाबला ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली से होना है।

विमेंस टी२० विश्व कप

दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर पाकिस्तान को ७ विकेट से दी मात

जेमिमा रोड्रिगेज की तूफानी पारी

नई दिल्ली : विमेंस टी२० विश्व कप की शुरुआत हो चुकी है और भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को ७ विकेट से हरा दिया हैं। भारत अपना चीर प्रतिद्वंदी को ना सिर्फ हराया बल्कि इतिहास भी रचा हैं। जीत की हीरो रही जेमिमा रोड्रिगेज ने बल्ले से तूफानी पारी खेलते हुए ३८ गेंदों पर नाबाद ५३ रन बनाए और विश्व कप में भारत को एक मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं उनका बखूबी साथ दिया ऋचा घोष ने, जिन्होंने अपने बल्ले से ५ चौके लगाई और २० गेदों का सामना करते हुए ३१ रन की महत्वपूर्ण पारी खेली और जेमिमा के साथ चौथे विकेट ५८ रन की अटूट साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने कल पाकिस्तान महिला टीम को एक रोमांचक मुकाबले में ७ विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान महिलाओं ने भारत के सामने २० ओवर में १५० रन का एक अच्छा लक्ष्य रखा, मगर भारतीय महिलाओं ने जो कमाल दिखाया वो अतुलनिय हैं। १९वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर

भारतीय महिलाओं ने इतिहास रच दिया। महिला विश्व कप इतिहास में यह दूसरा सबसे बड़ा रन चेज रहा। इससे पहले २०१६ में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के खिलाफ इंग्लैंड महिला टीम ने १६४ रन का सफल रन चेज किया था। पाकिस्तान महिला की कप्तान बिस्माह महरूफ की नाबाद ५५ गेंदों पर ६८ रन और आयशा नसीम की नाबाह २५ गेंदों पर ४३ रन की पारी पाकिस्तान को काम नहीं आई।

भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो यास्तिका भाटिया ने १७ और शेफाली वर्मा ने ३३ रन की पारी खेली और भारत को पहले विकेट के लिए ३८ रन की एक अच्छी शुरुआत दिलाई। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आई जेमिमाह रोड्रिगेज नाबाद रहते हुए अंतिम में चौथे लगाकर ना सिफ अपना १०वां अर्धशतक पूरा की बल्कि भारत को विश्व कप में जीत से आगाज भी करवाया। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौन के बल्ला कल नहीं बोला और १६ रन बनाकर सस्ते में निपट गई। फिर पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई ऋचा घोष अंत तक खड़ी रहकर खेल का अंत किया। भारत अब विश्व कप में अपने ग्रुप के पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर हैं। वहीं भारत का अगला मुकाबला १५ तारीख को वेस्टइंडीज के खिलाफ होना हैं वहीं पाकिस्तान भी इसी दिन आयरलैंड से भिड़ेगी।

वहीं कल भारत ने जहां अपनी ग्रुप में जीत हासिल की, उसी तरह श्रीलंका महिला टीम ने भी विश्व कप की शुरुआत जीत से की हैं। इस टीम ने बांग्लादेश महिला को ७ विकेट हरा दी। बांग्लादेश महिला ने २० ओवर में अपने ८ विकेट खोकर १२६ रन बनाई तो उसके जवाब में श्रीलंका महिला ने १८.२ ओवरों में ही अपने ३ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर ली। वहीं अब विश्व कप और भी ज्यादा इंटरेस्टिंग होने वाला हैं। भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी काफी मजबूत दिखाई दे रही है, तो उम्मीद होगी की विश्व कप के सूखे को यह टीम खत्म करे।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के भारत पर आरोप लगाने का सिलसिला जारी

नई दिल्ली : ९ फरवरी से खेले गए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को भारत ने पानी पिला कर रख दिया। भारतीय गेंदबाजों के आगे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज पस्त दिखे। भारत के स्पिन गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया टीम के ८ खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा तो वहीं दूसरे इनिंग में भी इतने ही खिलाड़ियों को क्रिज पर टिकने नहीं दिया। वहीं मुकाबले से पहले जहां ऑस्ट्रेलिया मीडिया ने भारतीय टीम पर आरोप लगाए थे कि वो पिच से छेड़छाड़ किया है और पिच पर लेफ्ट हैंड बैट्समैन को बल्लेबाजी करने में दिक्कत होगी, तो उसे भारतीय टीम के दोनों ही बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने गलत प्रूफ कर दिया। वहीं अब मेहमान टीम की मीडिया ने मैच के बाद फिर से पिच को लेकर कँप्लेन किया हैं।

दरअसल पहले मुकाबले में तीसरे दिन ही शर्मनाक हार मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम पिच पर प्रैक्टिस करना चाहती थी और खबर के अनुसार उन्होंने पहले ही सुचित कर दिया था। मगर मुकाबला जब शनिवार को खत्म हुआ तब ग्राउंड मैन ने पिच पर पहले ही पानी से सीच दिया था और ऑस्ट्रेलिया की टीम रविवार को दोपहर में प्रैक्टिस करना चाहती थी। ऑस्ट्रेलिया मीडिया का कहना है कि टीम को पर्याप्त मौके नहीं मिल रहे प्रैक्टिस करने के लिए। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्पिन पिच पर प्रैक्टिस करना चाहते थे, जिसके लिए कर्मचारियों को मुख्य विकेट और ट्रेनिंग पिचों को छोड़ने के लिए कहा गया था।

ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने बताया कि रविवार को एक अभ्यास सत्र होना था ताकि खिलाड़ी स्पिन पिच को बेहतर तरीके से समझ सके। उन्होंने कहा कि भारत जिस तरह की पिच पर खेलना चाहता है, यह साफ है। हम सबको पता है कि ऑस्ट्रेलिया जबसे टेस्ट सीरीज खेलने भारत आई है, तबसे अलग-अलग तरह के नखरे दिखा रही हैं और पिच को लेकर तो सबसे ज्यादा। वही इसके बाद पहला मुकाबला शुरू होने से पहले जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी पिच का मुआयना किए तब उनका कहना था कि भारत पिच से छेड़खानी की है, स्पिनरों को ज्यादा मदद मिलने वाली है और लेफ्ट हैंड बल्लेबाजों को खेलने में काफी परेशानी होगी।

इसके बाद पहले मैच के स्टार रहे जड्डू पर बॉल टेंपरिंग का आरोप लगाया, जिसे मैच रेफरी ने गलत ठहरा दिया, वहीं अब ये। तो अब तीन मैचों और बचे हुए हैं और ये देखना वाली बात होगी कि ऑस्ट्रेलियाई मीडिया अभी और कितना नाटक करता हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मुकाबला धर्मशाला के बदले इंदौर में होगा

नई दिल्ली : दरअसल धर्मशाला में काफी सर्दी पड़ रही है, जिसके कारण ग्राउंड में घास सही तरीके से नहीं आ पाई है और पूरी तरह से आने में कुछ और समय लगेगा। बीसीसीआई ने ११ फरवरी को एचपीसीए स्टेडियम का दौरा किया था, जहाँ पर निरीक्षण किया गया था और उसके बाद १२ फरवरी को रिपोर्ट दी गई, जिसमें यह फलिया गया कि यह मैच यहाँ नहीं हो सकता। इसी वजह से यह मैच अब इंदौर में खेला जाना है।

आपको बता दें की धर्मशाला मैदान पर ड्रैनेज सिस्टम का काम चल रहा था जिसके कारण यहाँ मैदान पर घास पूरी तरह नहीं आ पाई और टेस्ट मैच के लिए मैदान पर बरपुर घास होनी चाहिए जिसके कारण खिलाड़ियों को चोट न लगे । की जगह अब इस मैदान पर खेला जाएगा

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट, जो पहले १-५ मार्च तक एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में होने वाला था, अब इंदौर के होल्कर स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। यानी तीसरा मुकाबला अब इंदौर में खेला जाएगा। यह हिमचाल प्रदेश में खराब मौसम के कारण लिया गया है।

अब चार मैच की सीरीज के बचे तीन मुकाबलों में, दूसरा मैच दिल्ली में १७ -२१ फरवरी तक खेला जाएगा, उसके बाद तीसरा मुकाबला १- ५ मार्च तक इंदौर में और सीरीज का आखिरी टेस्ट ९-१३ मार्च तक अहमदाबाद में खेला जाएगा।

१४वीं विदर्भ इंटर स्कूल कराटे चैंपियनशिप २०२३ सफलतापूर्वक संपन्न

नागपुर : वस्का एंड सेको काई कराटे इंटरनेशनल, इंडिया (नागपुर) द्वारा १४वीं विदर्भ इंटर स्कूल कराटे चैंपियनशिप २०२३ का आयोजन सुगत बुद्ध विहार के प्रांगण, गरोबा मैदान में आयोजित किया गया। विदर्भ के १५ से अधिक विभिन्न स्कूलों के कुल २४५ छात्रों ने इस स्पर्धा में सहभाग लिया।

इस चैंपियनशिप में प्रमुख अतिथि के रूप में शहर के सुप्रसिद्ध लेखक, समाजसेवी, प्रोफेसर, डॉ. प्रितम भीमराव गेडाम साथ ही मुकेश मेश्राम, विजय मेश्राम, सुनील ठाकरे सर व आयोजन समिति के मुख्य प्रशिक्षक किरण यादव सर, विनोद डाहारे, नरेंद्र बिहार सर प्रमुखता से उपस्थित रहें।

आयोजन समिति की ओर से प्रमुख अतिथियों को स्मृतिचिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। विजेता टीम को उपस्थित अतिथि द्वारा पदक व प्रमाणपत्र प्रदान कर

सम्मानित किया गया। चैंपियनशिप विजेता के रूप में प्रथम स्थान पर के. ब्लॉसम स्कूल, द्वितीय स्थान पर तथागत कराटे क्लब, हिरवी नगर और तीसरे स्थान पर नरखेड़ टीम रही।

इस चैंपियनशिप को सफल बनाने में प्रशिक्षक काजल राउत, आचल राउत, साहिल पाटिल, शशांक विश्वकर्मा, वैभव ब्राम्हणकर, शुभम पडोले, नीलेश नागरीकर, नीलकंठ कुकड़े व आर्यन कांबले की अहम भूमिका रही।

खेलो इंडिया बाक्सिंग में मेजबान म.प्र. ने जीते १३ पदक

भोपाल : खेलो इंडिया यूथ गेम्स २०२२ में मेजबान मध्यप्रदेश ने बाक्सिंग में जोरदार प्रदर्शन करते हुए २ स्वर्ण, ४ रजत एवं ७ कांस्य सहित कुल १३ पदक जीते। मध्यप्रदेश के लिए योगेश्वर दत्त एवं मलिका मोर ने पदक जीते। वहीं हरियाणा ने ८ स्वर्ण, ५ रजत एवं २ कांस्य सहित कुल १५ पदक जीते। इसी के साथ म.प्र. ओवरआल चेंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहा।

भोपाल के तात्या टोपे नगर स्टेडियम में शनिवार को बाक्सिंग चेंपियनशिप के मुकाबले खेले गए। बालक वर्ग के ६०-६३.५ किग्रा भार वर्ग के फाइनल में म.प्र. के योगेश्वर दत्त ने मणिपुर के सी. मोइरैमगथ्म को हरा कर स्वर्ण पदक जीता। अरूणाचल प्रदेश के पक्का ताव एवं उत्तराखंड की भुवनेश्वर ने कांस्य पदक जीते। बालिका वर्ग में एक स्वर्ण मलिका मोर ने म.प्र. को दिलाया। मलिका मोर ने ४५- ४८ किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में हरियाणा की भावना शर्मा को शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड की आंचल शुक्ला व दिल्ली की संजना ने कांस्य पदक जीता।

इसके अलावा बालक वर्ग में आयुष यादव को ७१- ७५ भार वर्ग में हरियाणा के दीपक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। पंजाब के तेजस्वी व मणीपुर के राहुल सिंह ने कांस्य पदक जीते। इसके अलावा ५१- ५४ भार वर्ग के फाइनल में मप्र के रुद्रजीत सिंह सिल्वर को हरियाणा के अशीष के हाथों हार का सामना करना पड़ा और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ५०- ५२ किग्रा वर्ग के फाइनल में मप्र की कैफी को महाराष्ट्र की देविका घोरपड़े ने हरा कर स्वर्ण पदक जीता। मप्र के लिए बालिका वर्ग में विनती ने ७०- ७५ किग्रा में रजत पदक जीता, उन्हें फाइनल में हरियाणा की मुस्कान ने हराया।

इसके अलावा बालक वर्ग में अभिषेक तोमर ने ६३.५- ६७ भार वर्ग में कांस्य, प्रशांत खटाना ने ६७- ७१ भार वर्ग तथा ऋषभ सिकरवार ने ७५- ८० किग्रा में कांस्य पदक जीते। बालिका वर्ग में खुशी सिंह ने ६०- ६३ भार वर्ग में कांस्य, भूमि सिंह ने ५४- ५७ भार वर्ग में कांस्य एवं राधिका जाटव ने ४८- ५० भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134